अल्कोहल एवं प्रोहिबिशन पर एकमात्र हिन्दी मासिक पत्रिका

वर्ष-14, अंक-7, मार्च 2024

आबकारी टाइम्स

केवल सदस्यों हेतु

आबकारी ने प्राप्त किया 5139 करोड़ रुपये का राजस्व

हरियाणा
आबकारी राजस्व पहुंचा 11 हजार करोड़ रुपये

हिमांचल प्रदेश
नई आबकारी एवं कराधान नीति को मिली मंजूरी

पंजाब
नई आबकारी नीति का उद्देश्य है राजस्व वृद्धि

उत्तर प्रदेश
ओटीएस में मिलेगी ब्याज पर 50 प्रतिशत की छूट

खुलेंगी नई मदिरा दुकानें बढ़ेगा राजस्व और रोजगार

आबकारी राजस्व में हुई 15 प्रतिशत की वृद्धि

महिलाएं बदल रही हैं, भारत में मदिरा की कहानी

ISO 9001 · PREMIUM QUALITY · MSME — MICRO, SMALL & MEDIUM ENTERPRISES — सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम

CANGROUP OF INDUSTRIES

Complete Grain Handling & Milling Manufacturer

We are happy to announce that we have Successfully Commissioned 7 Nos. Distillery Projects in last 2 months !

-Satish Sugar, Karnataka	: 120 KLPD
-VIPN Sugar, Karnataka	: 150 KLPD
-Ugar Sugar Works, Karnataka	: 300 KLPD
-Forever Distillery, UP	: 100 KLPD
-Parle Biscuits Pvt Ltd, UP	: 100 KLPD
-Dhampur Sugar Mill, UP	: 100 KLPD
-Gulshan Polyols, MH	: 350 KLPD

Email: cangroupindustries@gmail.com, sales@cangroupindustries.com
www.cangroupindustries.com, Ph. No. +919970824795, 917011445870

आबकारी टाइम्स

आबकारी, अल्कोहल एवं मद्य निषेध पर प्रथम हिन्दी मासिक पत्रिका

वर्ष- 14, अंक- 7, मार्च 2024, पृष्ठ-52

R.N.I. - UPHIN/2010/36360, MSME No. UP-03-0008022
Postal Reg. No. - L-2/9 Reg/AD-86-2022-24

प्रबन्ध सम्पादक
पी. एस. मिश्रा

सम्पादक
राजेश कुमार चौबे

मुख्य सलाहकार
हर्षवर्धन चतुर्वेदी (पूर्व उप आबकारी आयुक्त, उत्तराखण्ड)
आर.एस.तिवारी (पूर्व अपर आबकारी आयुक्त)
एस.के. गोयल (पूर्व उप आबकारी आयुक्त)
रविशंकर शुक्ला (पूर्व उप आबकारी आयुक्त)

मीडिया एडवाइजर
रतन दीक्षित (वरिष्ठ पत्रकार)

ब्यूरो चीफ
गोपाल जोशी (दिल्ली, हरियाणा, पंजाब)
जे.के. रावत (एनसीआर)

व्यापार प्रबन्धक
शशि योगेश्वर, अरविन्द दुबे

ग्राफिक्स डिजाइनर
बृजेश पाण्डेय

फोटोग्राफर
जय प्रकाश - लखनऊ

सहायक
अजय कुमार

कार्यालय
485, भवानी भवन, ममफोर्डगंज
(शिवाजी पार्क के सामने), प्रयागराज-211002 (उ.प्र.)

लखनऊ कार्यालय
टी-14, नीलगिरी अपार्टमेंट, वृंदावन योजना,
रायबरेली रोड, लखनऊ (उ.प्र.)

सम्पर्क : 94537 59003, 73797 00003
फोन/फैक्स : 0532-2440267

E-mail : aabkaritimes@gmail.com
Web : www.aabkaritimes.com,

मोबाइल : 9415305911, 9335126988, 9452935729

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, पी.एस. मिश्रा द्वारा क्यूआईएस प्रिंटर्स प्रयागराज से मुद्रित और 485 ममफोर्डगंज (शिवाजी पार्क के सामने), प्रयागराज (यू.पी.) से प्रकाशित।

5

राजस्व वाले मदों में 2813.88 करोड़ की बढ़ोत्तरी : खन्ना

09

आबकारी ने प्राप्त किया 5139 करोड़ रुपये का राजस्व

36

पहला बीयर म्यूजियम खुलेगा जल्द

51

आबकारी की सेवाएं आयेंगी लोकसेवा गारंटी में

आबकारी टाइम्स पत्रिका में प्रकाशित सामग्री व लेख, लेखकों के निजी विचार और समाचार समूहों से हैं। सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक को उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। आबकारी टाइम्स से सम्बन्धित सभी विवाद केवल प्रयागराज स्थित न्यायालय के अधीन होंगे। हमारा उद्देश्य मदिरापान को बढ़ावा देना नहीं अपितु इसके उपयोक्ता और उत्पादनकर्ता को नये-नये समाचारों से अवगत कराना है।

सदस्यता फार्म के लिए आखिरी पेज 52 नम्बर देखें

मदिरा है उपभोक्ता सामग्री और व्यापार का एक विकल्प

भारत के संविधान में राज्यों को मदिरा से कमाई करने का एक विकल्प दिया गया है। हालाकि मदिरा से कमाई अर्थात आरोपित कर मदिरा के उपभोग को हतोत्साहित करने के उद्देश्य से लगाये जाने का प्राविधान किया गया था। परंतु मदिरा पर आरोपित कर में वृद्धि के साथ ही राज्य सरकारें वैधानिक उपभोग को बढ़ाने की तमाम कोशिशें करती हैं। राज्य सरकारें प्रति वर्ष शराब से कमाई बढ़ाने के लिए शराब नीति बनाती हैं। शराब नीति को लेकर राजनीतिक विडंबना भी देखने को मिलती है। सत्ता पक्ष से बाहर होने पर सदैव विरोध के स्वर सुनाई देते हैं। हालाकि सरकार में बैठे लोग अब यह भली भांति जान गये हैं कि मदिरा प्रमुख उपभोक्ता सामग्रियों में अपनी जगह बना रही है। मदिरा का विस्तार व्यापार और रोजगार का एक मजबूत विकल्प बन रहा है। कोई भी राज्य सरकार को मदिरा उद्योग के महत्व को अब नकार नहीं सकता है।

राज्य सरकारें अपने विकास कार्यों के लिए राजस्व संकलन कर अधिकतर आश्रित होती हैं। पूर्वोत्तर के कई राज्यों ने इसके अतिरिक्त हरियाणा और आंध्र प्रदेश जैसे बड़े राज्यों ने भी मदिरा पर प्रतिबंध अधिक समय तक नहीं रख पाये हैं। हमारे देश में कई तरह की श्रेणियां जैसे वाइन और बीयर को भी मदिरा के अंतर्गत ही रखती हैं जबकि कई देशों में इन्हें आम उपभोक्ता सामग्री के अंतर्गत रखा गया है। उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में जहां जीएसटी का संकलन फरवरी में 6412.66 करोड़ का हुआ है वहीं आबकारी द्वारा मदिरा से 5138.84 करोड़ का राजस्व संकलन यह दर्शाता है कि इस उद्योग को अब हल्के में नहीं लिया जा सकता है। उत्तर प्रदेश में 893 नई दुकानें सृजित होने पर जहां सरकार को सैकड़ों करोड़ का राजस्व मिलेगा वहीं इन दुकानों से प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से 5000 लोगों को रोजगार प्राप्त होगा।

उत्तराखण्ड मेट्रो ब्रांड की नई मदिरा लांच कर एक ओर मदिरा उपभोक्ताओं को नया टेस्ट और विकल्प उपलब्ध कराने जा रही है वहीं दूसरी ओर मेट्रो में स्थानीय फलों के मिश्रण से नये रोजगार का सृजन होगा। हरियाणा में आबकारी राजस्व 6100 करोड़ रुपये से 11000 करोड़ रुपये हो गया है। यह मात्र 4 सालों में हुआ है। इसका करण है कि वैधानिक मदिरा की बिक्री बढ़ी राज्य सरकार ने इसके लिए ट्रैक एंड ट्रेस सिस्टम को लागू किया है। पर्यटन स्थलों पर मध्य प्रदेश सरकार मदिरा की उपलब्धता बढ़ाने की कोशिश कर रही है। इससे पर्यटन बढ़ेगा और रोजगार में भी ईजाफा होगा। हिमांचल प्रदेश के प्रमुख आय में टूरिज्म शामिल है। पिछले कुछ सालों से सरकार की शराब नीति से राज्य में मदिरा का उपभोग बढ़ा है जो आगामी वित्तीय वर्ष में 5 करोड़ 24 लाख लीटर की सीमा को पार कर जायेगा।

मदिरा निर्माण में ग्रेन व्हिस्की, सिंगल माल्ट और स्कॉच के अलावा कई स्थानीय व्हिस्की जो अपने टेस्ट के कारण लोगों की पसंदीदा बनी हुई हैं उन्हीं में से एक है कैसल हिल डार्क नाइट। नागालैण्ड में बनी यह व्हिस्की असम से बाहर अब महाराष्ट्र और गोवा के उपभोक्ताओं तक पहुंचने वाली है। चीन में बनी बाइजियू के स्थानीय मांग के सामने व्हिस्की बहुत पीछे है। डियाजियो और परनॉड की कोशिशें भी स्थानीय टेस्ट को डिगा नहीं पा रही हैं। देश में बनने वाली पिकाडली की कैमिकारा लक्जरी रम जल्द ही अपनी लोकप्रियता से उपभोक्ताओं की फेवरेट बनेगी। इसमें शुद्ध रूप से केन जूस का उपयोग किया गया है। मदिरा निर्माता केवल अपने उत्पाद से आय ही नहीं अर्जित करते हैं बल्कि समाजिक दायित्व भी निभाते हैं। डियाजियो इंडिया का गोडावण सिंगल माल्ट व्हिस्की इसका एक प्रमाण है।

The Grain Storage People

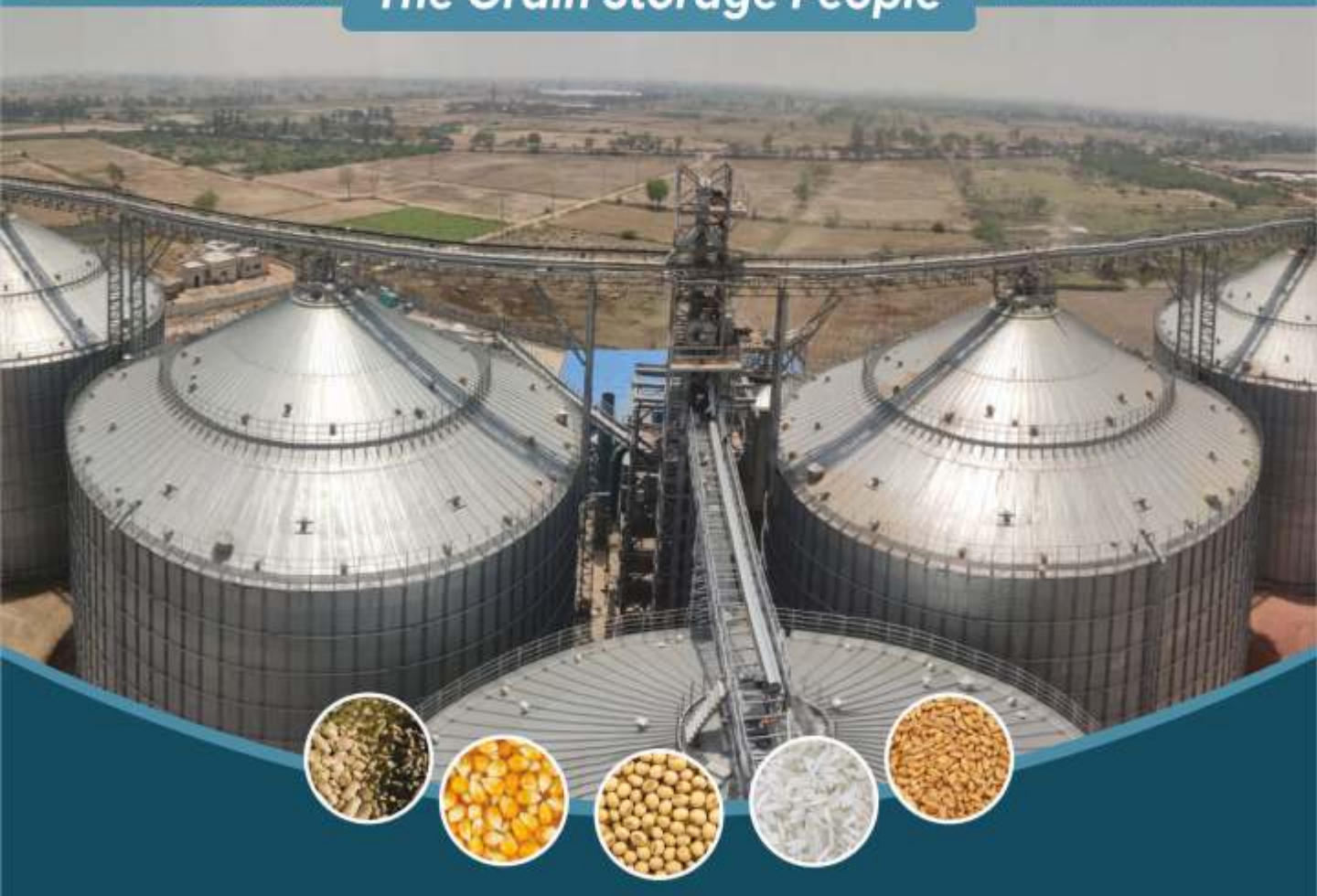

A Grain Saved is Multi-Grain Produced

B.G. SHIRKE CONSTRUCTION TECHNOLOGY PVT. LTD

(POST HARVEST EQUIPMENT DIVISION) ISO 9001 : 2000 COMPANY

Mob: +91 904 900 4164 | 800 777 0416

Email : vmkadbane@shirke.co.in | smbawane@shirke.co.in Website : www.shirkegroup.com

पेट बोतलों में न हो शराब की आपूर्ति

हरियाणा सरकार ने प्लास्टिक की बोतलों में शराब की बिक्री पर रोक लगा दिया है। यूपी में भी प्लस्टिक की बोतलों में मदिरा की बिक्री पर रोक लगानी चाहिए। राज्य सरकार ने कांच की बोतलों और टेट्रा पैक में भी शराब बेचने की अनुमति दी है। शराब कंपनियां कांच और टेट्रा पैक की महंगी पैकेजिंग के कारण कुछ ब्राण्डों को प्लास्टिक की बोतलों में भराई कर रही हैं। शराब कंपनियां घाटे का हवाला देकर ऐसा करती हैं जबकि शराब का उपभोक्ता कभी भी महंगी शराब पर उंगली नहीं उठाता है। भले ही शराब के दाम बढ़ा दिये जाएं लेकिन शराब उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के साथ कोई समझौता नहीं होना चाहिए। शराब कंपनियों का यह मानना है कि सरकार अपने फायदे के लिए चाहे जितना भी टैक्स बढ़ा दे परंतु उत्पादकों के लाभांश में बहुत मामूली वृद्धि होती है। सरकार और उत्पादकों के कारण प्लास्टिक में मदिरा की आपूर्ति से सेहत का नुकसान उपभोक्ता को ही होता है। **- सुधीर वर्मा (अलीगढ़)**

एलएबी से नहीं है ज्यादा फायदा

राज्य सरकारें मदिरा के उपभोक्ताओं की सेहत को ध्यान में रखकर शराब को नियंत्रित कर अपनी देख-रेख में उसकी बिक्री कराती है। कई बार अवैध मदिरा के उपभोग से लोगों की जान चली जाती है। ऐसा भी होता है कि वैध मदिरा के अधिक उपभोग से भी जान चली जाती है। हालाकि मदिरा सेहत के लिए नुकसानदायक है। चाहे वह कितनी भी कम मात्रा में हो इसकी पुष्टि डब्लूएचओ ने किया है। सरकार उपभोक्ताओं की मांग के मुताबिक बीयर वाइन और स्ट्रांग लिकर बेचने की परमिशन देती है। लेकिन सच्चाई यह है कि सरकार को राजस्व सबसे अधिक स्ट्रांग लिकर की बिक्री से ही प्राप्त होता है। शराब उपभोक्ताओं को भी यही स्ट्रांग लिकर अधिक पसंद है। वाइन और बीयर जैसी लो अल्कोहल वाली मदिरा के उपभोक्ता भी कम हैं। सरकार की कोशिश भी स्ट्रांग लिकर को बढ़ावा देने की ही होती है। **- संतोष कुशवाहा (नोयडा)**

शराब उद्योग भी सरकार के लिए है महत्वपूर्ण

उत्तर प्रदेश सरकार राज्य में नये उद्योगों की स्थापना और शिलान्यास के लिए जीबीसी-4 का आयोजन किया था। लगभग 10 हजार करोड़ रुपये के निवेश से शराब की नई फैक्ट्रियां स्थापित होंगी। नई फैक्ट्री लगने पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से हजारों लोगों को रोजगार प्राप्त होगा। किसानों को कच्चा माल बेचकर मुनाफा होगा। प्रदेश सरकार को शराब विभाग से जीएसटी के बाद सबसे अधिक राजस्व मिलता है। शराब से अधिक से अधिक कमाई के लिए सरकार के अधिकारी क्षेत्र में काम करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों पर सदैव दबाव बनाते हैं। सरकार की कोशिश होती है कि अधिक से अधिक वैधानिक शराब की बिक्री हो। देखा जाता है कि सरकार के मंत्री शराब कंपनियों और उनके कार्यक्रमों से सार्वजनिक रूप से दूरी बनाकर रहते हैं। यह एक बड़ी विडंबना है कि सरकार और उसके मंत्री शराब से राजस्व तो चाहते हैं लेकिन कंपनियों के साथ दिखने में परहेज करते हैं। **- सुधीर पाल (एटा)**

जामुन शहद की वाइन से होगा स्वास्थ्य लाभ

मध्य प्रदेश सरकार प्रदेश में पैदा होने वाले फलों से वाइन निर्माण को बढ़ावा देने की नीति बनाई है। फलों से बनने वाली वाइन स्वास्थ्य के लिए अच्छा माना जाता है। कई देशों में वाइन को मदिरा की श्रेणी में नहीं रखा जाता है। बीयर भी मदिरा के अंतर्गत शामिल नहीं है। बीयर में अधिकतम 8 प्रतिशत तक अल्कोहल होता है जबकि वाइन में 12 प्रतिशत तक अल्कोहल की मात्रा होती है। यह दोनों प्रकार के अल्कोहल मिश्रित पेय कम अल्कोहल की मात्रा होने के कारण अधिक नशा नहीं होने देते हैं। हालाकि अल्कोहल स्वास्थ्य के लिए अनुकूल है अथवा प्रतिकूल है इस पर अभी तक विशेषज्ञ और वैज्ञानिक एक मत नहीं हो पाये हैं। फलों अथवा शहद का उपभोग प्राकृतिक रूप से करने पर उसके फायदे पर किसी को कोई शक नहीं है। वाइन बनाने के लिए इन फलों को फर्मेंट किया जाता है। फर्मेंट के दौरान फलों का मूल स्वरूप यीस्ट के कारण बदल जाता है। **- अवधेश नरायण पाण्डेय (वाराणसी)**

वाइन का बढ़ेगा व्यवसाय

हमारे देश में अधिकतर खान-पान और परिधान की नकल पाश्चात्य देशों से होता है। व्हिस्की और रम जैसे शराब का उत्पादन विदेशों में किया जाता था। उसी को देखकर हमारे यहां भी उसका उत्पादन और उपभोग होने लगा। पश्चिमी देशों में अब वाइन और बीयर जैसे कम अल्कोहल वाली मदिरा की बिक्री बढ़ रही है। वाइन को विदेशों में खाने की सामग्री में शामिल कर लिया गया है। हमारे देश में भी अब धीरे-धीरे लोग वाइन की ओर बढ़ रहे हैं। राज्य सरकारें भी स्थानीय लोगों की आमदनी और रोजगार को ध्यान में रखकर वाइन उत्पादन को बढ़ावा दे रही हैं। उत्तर प्रदेश सरकार भी वाइन निर्माण के लिए जब कई सुविधाओं की घोषणा की, तब यहां भी कई कंपनियों ने वाइन बनाने के लिए अपनी उत्पादन इकाईयां लगाना शुरू की हैं। उत्तर प्रदेश के किसानों को इससे लाभ होगा और वाइन की बिक्री बढ़ने पर इसका लाभ कंपनियों को मिलेगा। **-रवि सिंह (एटा)**

आप अपनी पाठकीय प्रतिक्रिया फेसबुक (facebook.com/aabkaritimes) व्हाट्सअप (7379700003) और ईमेल (aabkaritimes@gmail.com) पर भी दे सकते हैं, जिसका प्रकाशन इस स्तंभ में किया जा सकता है। कृपया अपना नाम और पता जरूर दें।

राजस्व वाले मदों में 2813.88 करोड़ की बढ़ोत्तरी : खन्ना

सुरेश कुमार खन्ना

मुख्य कर करेत्तर राजस्व वाले मदों में वित्तीय वर्ष 2023-24 के फरवरी माह में 17,742.67 करोड़ का राजस्व मिला है, जबकि वित्तीय 2022-23 के फरवरी माह में 14928.79 करोड़ का राजस्व मिला था। इस प्रकार वित्तीय वर्ष 2022-23 के सापेक्ष वर्ष 2023-24 के फरवरी माह में 2813.88 करोड़ रुपये का अधिक राजस्व प्राप्त हुआ। प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने बताया कि जीएसटी के अन्तर्गत माह फरवरी 2024 में कुल 6412.66 करोड़ का राजस्व मिला, जबकि फरवरी 2023 में 5190.87 करोड़ मिला था। इस प्रकार जीएसटी मद में फरवरी माह में गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष 1221.79 करोड़ अधिक राजस्व मिला। इसी तरह वैट के अन्तर्गत माह फरवरी 2024 में 2323.15 करोड़ का राजस्व मिला, 2023 फरवरी में 2241.47 करोड़ रु. मिला था।

वित्त मंत्री ने बताया कि आबकारी मद के अन्तर्गत फरवरी 2024 में 5138.84 करोड़ की राजस्व मिला, वहीं फरवरी 2023 में 4457.33 करोड़ मिला था। इस प्रकार स्टाम्प तथा निबन्धन के अन्तर्गत फरवरी 2024 में 2518.33 करोड़ मिला, जबकि फरवरी 2023 में 1942.15 करोड़ मिला था। ऐसे ही परिवहन विभाग में फरवरी 2024 में 958.61 करोड़ मिला, जबकि फरवरी 2023 में मात्र 787.82 करोड़ मिला था। इस तरह भू-तत्व तथा खनिकर्म विभाग में फरवरी 2024 में 391.08 करोड़ मिला था, जबकि फरवरी 2023 में 309.15 करोड़ रुपये मिला था। श्री खन्ना ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में फरवरी 2024 तक कुल मुख्य कर 173381.51 करोड़ रुपया मिला। इसमें जीएसटी 68450.17 करोड़, वैट 26822.93 करोड़, आबकारी 41224.44 करोड़, स्टाम्प तथा निबंधन 24439.78 करोड़, परिवहन 9427.01 करोड़, भू राजस्व 360.83 करोड़ और ऊर्जा 2556.35 करोड़ रुपया शामिल है।

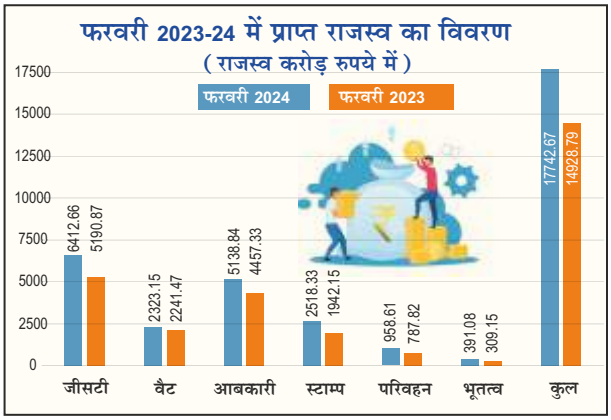

लार्ड्स में लगेगा अब डुअल मोड पर प्लांट

गाजीपुर स्थित लार्ड्स आसवनी लि. नन्दगंज में लग रहा प्लांट अब डुअल मोड आधारित होगा। प्लांट अनाज तथा मोलासेस से अल्कोहल का उत्पादन करेगा। शासन ने इस सम्बंध में 16 मार्च को एक पत्र जारी कर बताया है कि 420 लाख लीटर वार्षिक क्षमता की ग्रेन आधारित प्लांट को पहले अनुमति दी गई थी। प्लांट की प्रतिदिन उत्पादन क्षमता 120 किलोलीटर अर्थात वर्ष में 350 कार्य दिवस के आधार पर 420 लाख लीटर वार्षिक होगा। प्लांट में प्रतिदिन 75 प्रतिशत अर्थात 90 किलोलीटर प्रतिदिन उत्पादन एथेनॉल का किया जायेगा। शेष 25 प्रतिशत अर्थात 30 किलोलीटर प्रतिदिन वर्ष में 105 लाख लीटर ग्रेन ईएनए का उत्पादन होगा जो पेय मदिरा के प्रयोजन में उपयोग किया जायेगा। डिस्टिलरी में पुराने लाइसेंस के आधार पर अभी देशी मदिरा का निर्माण किया जाता है।

खुलेंगी नई मदिरा दुकानें, बढ़ेगा राजस्व और रोजगार

आबकारी विभाग नये सत्र के लिए राज्य भर में 893 नई दुकानें खोलने जा रहा है। इन दुकानों के लिए विभाग शीघ्र ही टेण्डर निकालेगा। आबकारी आयुक्त ने 15 मार्च को एक आदेश में प्रदेश के 57 जनपदों में विदेशी मदिरा की 222 दुकानें और 54 जनपदों में 354 देशी शराब की दुकानें खोलने की अनुमति दी है। इसके अतिरिक्त बीयर की 52 जनपदों में 301 दुकानें खोली जायेंगी। भांग की 13 और 3 नये मॉडल शॉप भी खुल रहे हैं। इतना ही नहीं पहले से सृजित की गई देशी, विदेशी बीयर और मॉडल शॉप की दुकानों का भी टेण्डर किया जाना है।

पूर्व से सृजित दुकानों की संख्या भी लगभग 2 से 3 दर्जन के बीच है। आबकारी आयुक्त को आबकारी नीति में 10 प्रतिशत नई दुकान खोलने का अधिकार दिया गया है। आबकारी आयुक्त इसी अधिकार का प्रयोग करते हुए जनपदों से प्राप्त प्रस्तावों पर नई दुकानों के सृजन की अनुमति प्रदान किये हैं। वर्ष 2024-25 के व्यवस्थापन के उपरांत जनपदों में देशी मदिरा की बची हुई एमजीक्यू तथा लाइसेंस फीस को व्यवस्थित करने के लिए नई दुकानों का टेण्डर किया जायेगा। विभागीय सूत्रों के मुताबिक नई दुकानों के व्यवस्थापन के पश्चात विभाग को सैकड़ों करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त होगा। नई मदिरा की दुकान खुलने से लोगों को रोजगार भी प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से प्राप्त होगा। प्रदेश में मदिरा, बीयर की दुकानों और बार तथा भांग की कुल दुकान लगभग 30 हजार है।

बिना बार लाईसेंस के ही सर्व कर रहे थे मदिरा

आगामी लोकसभा चुनाव एवं होली पर्व के दृष्टिगत आबकारी आयुक्त के आदेश के क्रम में अवैध शराब की बिक्री/परिवहन पर अंकुश लगाए जाने हेतु प्रवर्तन अभियान के दौरान 09 मार्च को एक रेस्तरां में लखनऊ आबकारी ने छापा मारा। गोमतीनगर में बिना ऑकेज्जनल बार लाइसेंस (एफ.एल.-11) के द कॉन्सेप्ट रेस्टोरेंट में मदिरा पिलाई जा रही थी। जिला आबकारी अधिकारी राकेश सिंह के नेतृत्व मे उस क्षेत्र के आबकारी निरीक्षक विवेक सिंह व आबकारी निरीक्षक रजनीश प्रताप सिंह की टीम का गठन किया गया। सूचना के आधार पर पत्रकारपुरम स्थित द कांसेप्ट रेस्टोरेंट में दबिश दी गई तो वहां पर बिना ऑकेजनल बार लाइसेन्स के ही मदिरा परोसी जा रही थी। पत्रकार पुरम में स्थित विजयश्री टावर के थर्ड फ्लोर पर स्थित द कांसेप्ट में कुल 09 बोतल विदेशी मदिरा व 24 कैन बियर रेस्टोरेंट के भीतर से बरामद की गई। उक्त प्रकरण में रेस्टोरेंट मैनेजर समेत 4 अन्य लोगों को गिरफ़्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 60 व आईपीसी की धारा 419/420 के अंतर्गत गोमतीनगर थाने में मुकदमा पंजीकृत करते हुए जेल भेजा गया।

बैड मंकी बीयर हुई यूपी में लांच

सिंक बेवरेज प्राइवेट लिमिटेड ने अपने उत्कृष्ट ब्रांड बैड मंकी बीयर को यूपी के उपभोक्ताओं के लिए लांच किया है। सिंक बेवरेज के निदेशक रोहन खरे और अपार रस्तोगी ने बताया कि यूपी हमारे लिए एक महत्वपूर्ण बाजार है। दिल्ली, झारखंड और अन्य राज्यों में बैड मंकी की सफलता के बाद हमें विश्वास है कि यह ब्रांड यूपी के बीयर शौकीन लोगों को खासकर युवाओं को पसंद आएगी। यह अपने अनोखे टेस्ट के साथ स्मूथ फिनिश, पीने के तरीके को मजेदार करने का एक वादा भी करता है। बैड मंकी बीयर बोल्ड और परिष्कृत दोनों है, जो हर घूंट में नये रोमांच और प्रफुल्लित भावना का प्रतीक है। श्री रस्तोगी ने कहा कि बैड मंकी बीयर यूपी के लोगों को इसके असाधारण स्वाद और गुणवत्ता का अनुभव करने के लिए आमंत्रित करती है। उम्मीद है आने वाले दिनों में यह राज्य के उभरते बीयर बाजार में अपना प्रमुख स्थान बनायेगी और इसकी आकर्षक पैकेजिंग युवाओं को लुभायेगी।

लखनऊ में महिलाएं हैं 35 फीसदी मदिरा दुकानों की लाईसेंसी

वित्तीय वर्ष 2024- 25 में लखनऊ में 1046 शराब की दुकानों में से 370 महिला उद्यमियों को आवंटित की गई हैं। 1 अप्रैल से महिला दुकान मालिक एक तिहाई से अधिक व्यवसाय की बागडोर संभालेंगी, जिस पर अतीत में मुख्य रूप से पुरुषों का वर्चस्व रहा है। आबकारी विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि लखनऊ में पिछले वर्ष की तुलना में महिलाओं की कुल भागीदारी 7 फीसदी बढ़ी है। इस बार अधिक दुकानों पर महिलाओं का कब्जा हुआ है। हालांकि, महिलाओं को कोई विशेष प्रोत्साहन या छूट नहीं दी जाती है, लेकिन रुझान से पता चलता है कि महिलाएं अब शराब के व्यापार में उतरने से नहीं हिचकिचा रही हैं। लखनऊ के जिला आबकारी अधिकारी राकेश सिंह ने कहा कि अगले वित्तीय वर्ष के लिए जारी किए गए कुल लाइसेंस में से 35 फीसदी महिला उद्यमियों ने हासिल

महिलाओं की लाईसेंस में भागीदारी

	पुरूष	महिला	प्रतिशत
देशी	571	198	35
विदेशी	213	82	38
बीयर	205	72	35
मॉडल शॉप	57	18	32
कुल	**1046**	**370**	**35**

की हैं। पिछले तीन वर्षों में जैसे- जैसे महिला आवेदकों की संख्या बढ़ रही है, उसी अनुपात में उनकी भागीदारी भी बढ़ रही है।

महिलाओं में सबसे ज्यादा दिलचस्पी आईएमएफएल शराब की दुकानों को लेकर है। उसके बाद बीयर की दुकानें आती हैं। टीएनएन से हजरतगंज की एक लाइसेंस प्राप्त बीयर दुकान की मालिक सुशीला जयसवाल ने कहा कि खुदरा स्टोरों का प्रबंधन करना मुश्किल नहीं है, क्योंकि करीबी निगरानी के लिए प्रौद्योगिकी उपकरण उपलब्ध हैं। दुकान पर साउंड सिस्टम के साथ सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। मैं कारोबार की निगरानी करूंगी। साथ ही, पिछले पांच वर्षों में शराब का कारोबार मजबूत और पारदर्शी हो गया है। इस बीच, लखनऊ की कुल 1046 दुकानों में से केवल पांच देशी शराब की दुकानें और दो मॉडल शॉप ही बची हुई हैं। शेष 1,039 दुकानें आवंटित की जा चुकी हैं। राकेश सिंह ने कहा कि बाकी को भी जल्द ही नीलामी के लिए रखा जा रहा है।

MOUNTAIN OAK®
WHISKY

Globus Spirits

SOAK IN THE HUES OF JOY!

बेहतर है

Happy Holi

THIS COMMUNICATION IS FOR PEOPLE ABOVE 25 YEARS OF AGE ONLY.

DRINK RESPONSIBLY.

CALENTER
RESERVE RUM
COZY
WINTERS
RELISH THE CARIBBEAN WARMTH
CALENTER
CALENTER
RESERVE RUM
THE FINEST FUSION
Follow us on our
Social Pages

जिला आबकारी अधिकारी बढ़ायें राजस्व

आबकारी ने प्राप्त किया 5139 करोड़ रुपये का राजस्व

आबकारी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नितिन अग्रवाल ने निर्देश दिये हैं कि प्रदेश में हरियाणा व अन्य पड़ोसी राज्यों से आने वाली अवैध मदिरा न आने पाये, इसके लिए बार्डर के अधिकारी विशेष सतर्कता बरतें। उन्होंने कहा कि सभी जिला आबकारी अधिकारी आबकारी निरीक्षकों के साथ प्रति सप्ताह बैठक कर राजस्व बढ़ाने व प्रवर्तन के कार्यों की समीक्षा करें। उप आयुक्त अपने मण्डल के जिलों में लगातार भ्रमण कर मॉनीटरिंग करें।

गन्ना संस्थान में 12 मार्च को मण्डलों के उप आबकारी आयुक्त एवं जिला आबकारी अधिकारियों से राजस्व प्राप्तियों के विवरण, बीयर, विदेशी शराब एवं देशी शराब, उपभोग, प्रवर्तन कार्य, आईजीआरएस का निस्तारण एवं अन्य महत्वपूर्ण विषयों की बिन्दुवार समीक्षा की गई थी। उन्होंने विगत वर्ष उपभोग आधारित लक्ष्य के सापेक्ष न्यूनतम राजस्व उपलब्धियों वाले 10 जनपद फिरोजाबाद, हाथरस, बदायूं, हमीरपुर, जालौन, मिर्जापुर, औरैया, आज़मगढ़, पीलीभीत, कानपुरनगर के जिला आबकारी अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि राजस्व बढ़ाने की दिशा में कार्य करें एवं प्रवर्तन कार्यों में तेजी लायें। विभाग हित में अभी और परिश्रम करने की आवश्यकता है, जिससे हम ससमय लक्ष्य पूरा कर सके। उन्होंने कहा कि अपनी परफारमेन्स बढ़ायें।

उन्होंने बीते वर्ष की उपभोग आधारित लक्ष्य के सापेक्ष अधिकतम राजस्व उपलब्धियों वाले 10 जनपदों अमेठी, गौतमबुद्धनगर, लखनऊ, बलिया, गाज़ियाबाद, बाराबंकी, शामली, श्रावस्ती, सोनभद्र, अमरोहा के अधिकारियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि राजस्व प्राप्ति में और बढ़ोत्तरी लायें और यह सुनिश्चित करें कि अवैध शराब की खपत प्रदेश में न हो, जिससे राजस्व और बढ़े। सभी अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि होली के त्योहार में किसी भी प्रकार की कोई अप्रिय घटना न घटे तथा आईजीआरएस के प्रकरणों का त्वरित निस्तारण करायें।

फरवरी में लक्ष्य के सापेक्ष अधिकतम राजस्व प्रप्ति वाले जनपद

क्रम	जनपद	उपलब्धि प्रतिशत
1	अमेठी	85.32
2	गौतमबुद्धनगर	73.04
3	लखनऊ	72.65
4	बलिया	72.35
5	गाजियाबाद	71.54
6	बाराबंकी	64.61
7	शामली	62.95
8	श्रावस्ती	62.46
9	सोनभद्र	61.86
10	अमरोहा	61.84

प्रमुख सचिव श्रीमती वीना कुमारी मीणा ने राजस्व अर्जन की जानकारी देते हुए बताया कि माह फरवरी 2024 मे विभाग में रू. 5,138.84 करोड़ की प्राप्तियॉ हुई हैं। जबकि इसी अवधि में गत वर्ष में रू. 4,457.33 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ था तथा माह फरवरी 2024 में निर्धारित राजस्व लक्ष्य रू. 6,300 करोड़ के सापेक्ष रू. 5,138.84 करोड़ अर्थात 81.57

प्रतिशत राजस्व प्राप्त हुआ। माह मार्च 2024 में अद्यतन रु. 1,330.06 करोड़ की प्राप्तियां हुई हैं। 12 मार्च 2024 तक अद्यतन कुल रु. 42,554.22 करोड़ की प्राप्तियां हुई हैं। गत वर्ष मार्च 2023 तक कुल रु. 41,252.24 करोड़ की प्राप्तियां हुई थीं। गत वर्ष की क्रमिक प्राप्तियों के सापेक्ष उपलब्धियां 103.16 प्रतिशत है।

माह फरवरी 2024 में कुल 76,568 छापे मारे गये। 10,024 अभियोग पकड़े तथा 3,28,048 ली. अवैध शराब पकड़ी गई तथा तस्करी में लिप्त 14 वाहन को जब्त करते हुए 2,179 व्यक्तियों को गिरफ्तार कर उनमें से 805 व्यक्तियों को जेल भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि आईजीआरएस के कुल प्राप्त 1,132 संदर्भों में 1,123 प्रकरण निस्तारित हो चुके हैं तथा कोई प्रकरण डिफाल्टर की श्रेणी में नहीं है। बैठक में आबकारी आयुक्त आदर्श सिंह द्वारा सभी जोनों के अधिकारियों को आबकारी मंत्री द्वारा दिये गये निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित कराने की अपेक्षा की गई। बैठक में अपर आबकारी आयुक्त ज्ञानेश्वर त्रिपाठी सहित सभी मण्डलीय उप आयुक्त और जिला आबकारी अधिकारियों ने वर्चुअली प्रतिभाग किया।

अतिमहत्वपूर्ण / राजस्वहित/अनुपालनार्थ / समयबद्ध

कार्यालय आबकारी आयुक्त, उत्तर प्रदेश

संख्या 18756-18831/ दस-लाइसेंस-367/ सुझाव आबकारी नीति/2024-25/खण्ड-5 दिनांक 19-03-2024

1. समस्त पेय गदिरा आपूर्तक आसवनियां, उत्तर प्रदेश।
2. समस्त बाण्ड अनुज्ञापी (बीयर को छोड़कर), उत्तर प्रदेश।
3. समस्त बी.आई.ओ-1 अनुज्ञापी, उत्तर प्रदेश।

विषयः बीयर को छोड़कर अन्य प्रकार की देशी/विदेशी मदिरा आदि के वर्ष 2023 24 और 2024-25 हेतु ब्राण्ड लेबिल के IESCMS पोर्टल पर पर एम.आर.पी. अनुमोदन के सबंध में।

आप अवगत हैं कि वर्ष 2023-24 तथा वर्ष 2024-25 हेतु बीयर को छोड़कर अन्य प्रकार की देशी / विदेशी मंदिरा आदि के ब्राण्ड लेबिल का पंजीकरण / नवीनीकरण और एम.आर.पी. अनुमोदन वर्तमान में मेंटर पोर्टल पर वास्तविक रूप से धनराशियों जमा करते हुये कराया जा रहा है।

मेंटर पोर्टल पर उपरोक्तानुसार ब्राण्ड लेबिल पंजीकरण और एम.आर.पी. अनुमोदन के निर्गत आदेशों को IESCMS पोर्टल पर अपलोड करते हुये समान कार्यवाही बिना वास्तविक भुगतान के IESCMS पोर्टल पर भी की जानी है। चूँकि वर्तमान में प्रदेश को समस्त आसवनियों और बाण्डों सहित समस्त बी.आईओ-1 अनुज्ञापन IESCMS पोर्टल पर प्राइमरी किये जा चुके है अतः ब्राण्ड लेबिल पंजीकरण और एम.आर.पी अनुमोदन की कार्यवाही अब IESCMS पोर्टल पर बिना वास्तविक भुगतान के किया जाना संभव नहीं होगा।

उपर्युक्त स्थिति में आप सभी को यह निर्देशित किया जाता है कि मेंटर पोर्टल पंजीकृत / अनुमोदित हो चुके ब्राण्ड लेबिल एवं एमआरपी के मामलों में, अग्रिम आदेशों तक आप IESCMS पोर्टल पर प्रस्तुत किये जाने वाले अपने ब्राण्ड लेबिल पंजीकरण तथा एम.आर.पी. अनुमोदन आवेदन पत्रों में मेंटर पोर्टल से निर्गत आदेशों को अपलोड करते हुये अपना-अपना आवेदन पत्र IESCMS पोर्टल पर मात्र सबमिट करें और आगे भुगतान की कार्यवाही न करते हुये, इन आवेदन पत्रों का IESCMS पोर्टल पर जेनरेटेड सीरियल न. तथा मेंटर पोर्टल से निर्गत आदेश की प्रति सलग्न करते हुये, लाइसेंस अनुभाग, मुख्यालय के ई. मेल. licupexcise04@gmail.com पर इन ब्राण्ड लेबिल और एम.आर.पी. को IESCMS पोर्टल पर भी पंजीकृत किये जाने का अनुरोध पत्र तत्काल प्रेषित करना सुनिश्चित करें।

उपर्युक्त निर्देश का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

नोट :- सर्वप्रथम ब्राण्ड लेबिल का पंजीकरण उपरोक्तानुसार IESCMS पोर्टल पर कराया जायेगा, तत्पश्चात ही एम. आर.पी. के आवेदन पत्रों को IESCMS पोर्टल पर प्रस्तुत किया जा सकेगा और समान प्रकार की कार्यवाही पुनः सम्पन्न की जायेगी।

(आलोक कुमार)
उप आबकारी आयुक्त (लाइसेंसिंग)
मुख्यालय।

कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी, मेरठ

सावधान!! **चेतावनी** सावधान!!

होली के अवसर पर सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अवैध शराब के अड्डों, ढाबों, परचून की दुकानों, ईटं भट्ठों आदि से बिकने वाली अवैध मदिरा का सेवन न करें, क्योंकि अवधै अड्डों से बिकने वाली मदिरा जहरीली हो सकती है तथा मिथाईल एल्कोहल भी हो सकता है, मिथाईल एल्कोहल एक विष है, जिसके अल्प मात्रा के सेवन से आंखों की रोशनी जाने के साथ-साथ व्यक्ति की मृत्यु हो सकती है।

ऐसे कार्यों में संलिप्त व्यक्तियों के विरूद्ध आजीवन कारावास से लेकर मृत्यु दण्ड की सजा एवं 10 लाख रूपये के जुर्माने का प्रावधान आबकारी अधिनियम में किया गया है। यदि कोई व्यक्ति किसी मादक वस्तु का विक्रय करता है या उपलब्ध करता है या करवाता है तो उसकी सूचना आबकारी विभाग के निम्नलिखित नम्बरों पर दें-

अवैध शराब की सूचना के लिए कंट्रोल रूम ✆ 14405 9454466019

(प्रदीप कुमार सिंह)
जिला आबकारी अधिकारी
मो. 9454465650

CONSULTANTS FOR DISTILLERY & BOTTLING FACILITY

We are a team headed by Mr. B K Goel (Consultant) for below Projects/Jobs.

1. Setting up a distillery unit For Ethanol & ENA.
2. Setting up a bottling unit for manufacturing of Alcoholic Liquors such as Rum, Whisky, Gin, Brandy, Vodka & RTD.
3. Setting up the Malt Spirit Plants producing the quality as Vatted Malt Spirit.
4. Blending / Development of various liquor brands up to highest Level.
5. We also take annual contract to blend all the Alcoholic products of all range.

May Please Contact
B K GOEL
goelbk20@gmail.com
Ph. 8962405107, 8889939759

MARC FLAVOURS

We are the manufacturer of all type of Flavours / Essences for the following segments.

1. Alcoholic Liquors such as Rum, Gin, Whisky, Brandy, Vodka & RTD.
2. Tailor Made Flavours for all Industries as below.

• Pharma • Confectionery • Ice – Cream • Processed Food
• Soft Drinks • Cattle Feed • Dairy Products • Perfumes

Note – Chemical division (Marc Flavours)
We also manufacture Biocide for Grain & Molasses fermentation to save 5 - 6% Glucose consumed by bacteria. Please ask the detail Via. Email Id – **goelbk20@gmail.com**

M/s Marc Flavours
Rohit Goel
I - 55, Site - C,
Surajpur Industrial Area
Greater Noida – 201306 (U.P)
Mob.: 9971949251, 8700610224
E-mail: marcflavours@rediffmail.com
Website: www.marcflavours.com

ENHANCING LOGISTICS SUPPLY CHAIN USING
QTS PLATFORM

QTS
QUALITY | TECHNOLOGY | SERVICES
गुणवत्ता | प्रौद्योगिकी | सेवाएं

DIGITAL LOCK / GPS LOCK | **GPS BASED TRACKING DEVICES FOR MARKET SOURCED VEHICLES PLUG N PLAY** | **SIM TRACKING**

Solutions Available

- GPS based Tracking for market vehicles
- Digital / GPS Lock
- SIM based Tracking
- Indent and Vehicle Placement
- In-PLANT Tracking
- Journey Management with alerts escalation
- Digilock Alerts for " OPEN " and "TAMPERED" with geo-coordinates
- Detention
- ePOD

Reports Available

- Unique trip id
- Tracking report with replay on map
- Frequent current status reports on mail
- Configurable alerts on route deviation , over stoppage
- Integration with ERP
- Monthly MIS reports
- Transit adherence with ETA
- Report on Detention
- ePOD with upload option
- Analysis on Breakages

Plant-In and Plant-Out
App based vehicle IN-PLANT movement monitoring

Order Management and Vehicle Placement
Web based and APP based Vehicle Indent Management

Detention / unloading
GPS based detention

ePOD / POD upload
Web based / App based ePOD and POD upload

Transit
Journey Management with Alerts (GPS based)

SOME ROLLED OUT PROJECTS

• Radico Khaitan Ltd • Pernod Ricard • United Breweries • Diageo India • AB-InBev • Indospirit
• Sir Shadi Lal Distillery • Mohan Meakins • Dhampur Sugar • Wave Distilleries And Breweries
• Allied Blenders & Distillers • Aarti Distilleries • B9 Beverages (BIRA) • Forever Distillery Private Ltd

For more derails: 9354509654 sales@qtssolutions.com

देशी में मथुरा एवं श्रावस्ती है अव्वल

फरवरी 2024 में गत वर्ष के सापेक्ष देशी मदिरा की अधिकतम उपभोग दर मथुरा जनपद में था। इस दौरान मथुरा में 16.5 और श्रावस्ती में 13.9 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गई है। कौशाम्बी में 13.9, अमरोहा 12.3, गौतमबुद्धनगर 11.9 और बागपत में वृद्धि दर इस दौरान 11.9 प्रतिशत थी। अधिकतम उपभोग वाले जनपदों में खीरी, शामली, गाजियाबाद और बाराबंकी जनपद शामिल हैं।

फरवरी 2024 तक गत वर्ष के सापेक्ष देशी मदिरा की खपत दर सबसे अधिक श्रावस्ती में 27.6 फीसदी थी। खीरी 26.24, शाहजहांपुर 18.7, मथुरा 16.4, सीतापुर 14.2 और कौशाम्बी में 13.6 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई है। इसके अतिरिक्त अमेठी 13.1, हरदोई 12.7, गौतमबुद्धनगर 12.2 और गाजियाबाद में 10.9 प्रतिशत की वृद्धि दर थी।

विदेशी मदिरा में बलिया की औसत दर है सबसे आगे

विदेशी मदिरा की सबसे अधिक फरवरी माह में मांग दर बलिया जनपद में थी। यही नहीं बलिया जनपद फरवरी तक के आंकड़ों में आईएमएफएल की मांग दर में सबसे अव्वल जनपद है। फरवरी में बलिया में विदेशी मदिरा की गत वर्ष के सापेक्ष वृद्धि दर 26.7 प्रतिशत और हरदोई में 25.6 प्रतिशत दर्ज हुई है। फरवरी में सिद्धार्थ नगर 25 प्रतिशत, ललितपुर 22.8, महराजगंज 21.6, जीबीनगर 20.1, बाराबंकी 19.6, झांसी 19, प्रतापगढ़ 18.1 और श्रावस्ती में 17.9 प्रतिशत की वृद्धि दर है।

फरवरी माह तक दस अधिकतम विदेशी मदिरा उपभोग दर वाले जनपदों में बलिया 20.2 प्रतिशत के साथ अव्वल स्थान पर है। इसके पश्चात जीबीनगर 19.1, गाजीपुर 18.2, देवरिया 17.9, गाजियाबाद 16.2, महराजगंज 15.6, हापुड़ 12.9, बदायूं 12.3, एसके नगर 11.1 और अयोध्या 10.7 प्रतिशत वृद्धि दर के साथ प्रदेश के अव्वल जनपदों में शामिल हैं।

बीयर के उपभोग दर में मुरादाबाद और श्रावस्ती हैं शीर्ष पर

फरवरी माह में मुरादाबाद जनपद की बीयर उपभोग दर प्रदेश में गत वर्ष के सापेक्ष 32 प्रतिशत के साथ सबसे अधिक है। फरवरी में 10 अधिकतम उपभोग दर वाले अन्य जनपदों में ललितपुर, महोबा, शाहजहांपुर, कानपुर नगर, संभल, उन्नाव, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर और एसआर नगर शामिल हैं।

फरवरी माह तक बीयर का उपभोग दर सबसे अधिक श्रावस्ती जनपद में 10.9 प्रतिशत दर्ज हुई है। इसके पश्चात अंबेडकर नगर, एसआरनगर, एसकेनगर, प्रतापगढ़, जौनपुर, अमेठी, मऊ, आजमगढ़ और गाजीपुर जनपद अधिकतम बीयर उपभोग दर वाले जनपदों में शामिल है।

विदेशी मदिरा की फ्रेंचाइजी फीस होगी 4 रुपये लीटर

प्रदेश में अन्य राज्यों की इकाईयों को मदिरा भराई के लिए फ्रेंचाइजी फीस 4 रुपये प्रति लीटर देना होगा। इसी तरह अन्य राज्यों के बीयर उत्पादक राज्य में बोतल भराई करने पर फ्रेंचाइजी फीस के रूप में 1 रुपये प्रति लीटर शुल्क देंगे। अन्य राज्यों की इकाईयां प्रदेश में अपनी बोतल भराई के लिए एफएल-3ए और एफएल-1ए लाइसेंस लेती हैं।

बीयर हेतु एफएल-3ए के अंतर्गत फ्रेंचाइजी फीस

0039-00-103-02-0000-06 चालान हेड	बीयर उत्पादनकर्ता हेतु लाइसेंस फीस एफएल-1/एफएल-1ए एवं एफएल-3/एफएल-3ए/रिन्युअल फीस एवं एफएल-3ए की फ्रेंचाइजी फीस

आईएमएफएल हेतु एफएल-3ए के अंतर्गत फ्रेंचाइजी फीस

0039-00-105-02-0000-05 चालान हेड	भारत निर्मित विदेशी मदिरा उत्पादनकर्ता हेतु लाइसेंस फीस एफएल-1/एफएल-1ए एवं एफएल-3/एफएल-3ए/रिन्युअल फीस एवं एफएल-3ए की फ्रेंचाइजी फीस

ओटीएस में मिलेगी ब्याज पर 50 प्रतिशत की छूट

प्रदेश सरकार ने आबकारी विभाग के अंतर्गत व्यापार करने वाले अनुज्ञापियों को बकाये की वसूली हेतु एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) के आदेश दिये हैं। आबकारी विभाग से सम्बन्धित 65 जनपदों में 1759 प्रकरणों में लगभग 43.72 करोड़ रुपये बकाया लंबित है। आबकारी के मुताबिक उन प्रकरणों में से 96 प्रकरणों में लगभग 1.31 करोड़ दंडक ब्याज के रूप में वसूली किया जाना है। कई बकायेदार इस सम्बंध में न्यायालयों में भी केस (वाद) किये हुए हैं। प्रदेश सरकार द्वारा 7 मार्च और 12 मार्च को एक पत्र जारी कर कहा गया है कि 31 मार्च 2018 के पूर्व के इन सभी प्रकरणों को एकमुश्त समाधान योजना के तहत खत्म किया जा सकता है। आबकारी विभाग का उद्देश्य इस योजना को लागू करने का यह है कि विभाग के पुराने बकाये की धनराशि की वसूली हो सके और राज्य सरकार को यह धनराशि प्राप्त हो जाए। बकायेदार जिनका मूलधन तथा उसपर ब्याज की धनराशि काफी अधिक हो गई है। जिसके कारण वह भुगतान नहीं कर पा रहे हैं। उन्हें बकाये की मूल धनराशि एवं बकाये ब्याज की 50 प्रतिशत धनराशि जमा किये जाने पर बकाये से मुक्ति मिल जायेगी। बकायेदार 60 दिन के अन्दर किस्त में भी बकाये का भुगतान कर सकते हैं।

BOTTMAC

DELIVERING EXCELLENCE IN LIQUID BOTTLING

kavindersingh@bottmac.in, sales@bottmac.in
+91-9818228222
www.bottmac.in

आबकारी राजस्व में हुई 15 प्रतिशत की वृद्धि

फरवरी माह में गत वर्ष के सापेक्ष 15.29 प्रतिशत अधिक राजस्व प्राप्त हुआ है। फरवरी माह में 5138.84 करोड़ रुपये का राजस्व मिला है। जबकि गत वर्ष इस दौरान 4457.33 करोड़ रुपये प्राप्त हुए थे। फरवरी माह का राजस्व लक्ष्य 6300 करोड़ रुपये था। राजस्व लक्ष्य से 18.43 प्रतिशत कम राजस्व प्राप्त हुआ है। फरवरी माह तक का राजस्व लक्ष्य 51400 करोड़ रुपये के सापेक्ष 41224.16 करोड़ रुपये आबकारी ने फरवरी माह तक संकलन किया है। यह प्राप्ति राजस्व लक्ष्य का 80.20 प्रतिशत है। गत वर्ष फरवरी माह तक 35703.95 करोड़ रुपये प्राप्त हुआ था। मासिक लक्ष्य 6300 करोड़ रुपये से 1161.16 करोड़ रुपये फरवरी में कम प्राप्त हुआ है। फरवरी तक के लक्ष्य 51400 करोड़ रुपये से अभी तक 10175.84 करोड़ रूपये कम प्राप्त किये गये हैं।

आबकारी राजस्व वित्तीय वर्ष 2023-24

माह	माह का लक्ष्य करोड़ (रू.)	माह की प्राप्ति करोड़ (रू.)	उपलब्धि प्रतिशत मासिक लक्ष्य के सापेक्ष	उपलब्धि प्रतिशत वार्षिक लक्ष्य के सापेक्ष
अप्रैल	4000.00	3313.46	82.8	5.7
मई	4600.00	3633.06	79.0	12.0
जून	4600.00	3622.24	78.7	18.2
जुलाई	4200.00	3423.98	81.5	24.1
अगस्त	4000.00	2980.36	74.5	29.3
सितम्बर	4000.00	3253.37	81.3	34.9
अक्टूबर	4300.00	3326.16	77.4	40.6
नवम्बर	4900.00	3788.26	77.3	47.1
दिसम्बर	5000.00	3776.33	75.5	53.7
जनवरी	5500.00	4968.02	90.3	62.2
फरवरी	6300.00	5138.84	81.6	71.1

अल्कोहल निर्यात में हुई 24 प्रतिशत की वृद्धि

अल्कोहल उत्पादन में अल्कोहल वर्ष 2023-24 के पहले तीन महीने अर्थात फरवरी 2024 तक 24.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। हालाकि गत वर्ष के सापेक्ष यह वृद्धि मात्र 11.1 प्रतिशत की है। उत्तर प्रदेश से देश के बाहर अल्कोहल का निर्यात नहीं किया गया है। अन्य राज्यों को फरवरी तक 24.2 प्रतिशत गत वर्ष के सापेक्ष अधिक अल्कोहल का निर्यात हुआ है। फरवरी माह में अन्य राज्यों के निर्यात में गत वर्ष के सापेक्ष 8.2 प्रतिशत की ही वृद्धि है। पेय मदिरा के उपभोग में गत वर्ष से फरवरी माह में कम अल्कोहल का उपभोग हुआ है। फरवरी में 5.5 प्रतिशत यह उपभोग घटा है। हालाकि फरवरी माह तक 12.6 प्रतिशत उपभोग में वृद्धि हुई है। प्रदेश के अंदर औद्योगिक अल्कोहल की मांग फरवरी तक 26.7 प्रतिशत और फरवरी में 12.7 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी दर्ज की है। अल्कोहल वर्ष 1 दिसम्बर से 30 नवम्बर तक होता है।

अल्कोहल वर्ष 2023-24 में फरवरी तक अल्कोहल का विवरण
(लाख बल्क लीटर में)

क्र.स.	विवरण	2022-23	2023-24
1.	प्रारम्भिक अवशेष	315.20	254.35
2.	अल्कोहल का उत्पादन	4824.18	5986.58
	योग	**5139.38**	**6240.93**
3.	देश के बाहर से आयातित	0.00	0.00
4.	प्रदेश के बाहर से आयातित	0.00	0.00
	महायोग	**5139.38**	**6240.93**
5.	**उपभोग**		
	1. पेय (देशी व विदेशी मदिरा की कुल निकासी)	898.16	1011.40
	2. अन्य (एफएल 16,17,39,40 व 41)	2025.25	2564.99
	योग	**2923.41**	**3576.39**
6.	**निर्यात**		
	1. अन्य राज्यों को	1825.38	2267.93
	2. देश के बाहर	0.00	0.00
7.	कुल निर्यात	**1825.38**	**2267.93**
8.	कुल उपभोग	4748.79	5844.32
9.	लेखानुसार अवशेष	390.59	396.61
10.	वेस्टेज	12.27	9.06
11.	वास्तविक अवशेष	**378.32**	**387.55**

बीयर में उपभोग घटा और विदेशी में बढ़त है बरकरार

फरवरी माह में विदेशी मदिरा की खपत में 4.2 प्रतिशत की गत वर्ष के सापेक्ष वृद्धि है। गत वर्ष फरवरी में 2.44 करोड़ बोतलों की खपत हुई थी जबकि फरवरी 2024 में 2.54 करोड़ बोतलों की खपत हुई है। फरवरी माह तक विदेशी मदिरा की मांग गत वर्ष से 8.4 प्रतिशत अधिक है। गत वर्ष इस दौरान 25.04 करोड़ बोतल का उपभोग हुआ था जबकि फरवरी 2024 तक उपभोग 27.13 करोड़ बोतलों का हुआ है। आगरा जोन में फरवरी माह तक 6.51 करोड़ बोतल, मेरठ जोन में 7.43, लखनऊ जोन में 4.62, वाराणसी जोन में 4.50 और गोरखपुर जोन में 4.08 करोड़ बोतलों का उपभोग हुआ है।

बीयर का उपभोग घटता ही जा रहा है। फरवरी माह में बीयर के 4.88 करोड़ कैन का उपभोग हुआ है जबकि गत वर्ष फरवरी माह में 5.22 करोड़ कैन का उपभोग हुआ था। फरवरी माह में इस तरह से गत वर्ष के सापेक्ष 6.5 प्रतिशत कम उपभोग हुआ है। हालाकि फरवरी माह तक यह गिरावट मात्र 0.1 प्रतिशत की है। गत वर्ष फरवरी माह तक 64.31 करोड़ कैन का उपभोग हुआ था जबकि वर्तमान फरवरी 2024 तक 64.25 करोड़ कैन का ही उपभोग हुआ है। आगरा जोन में फरवरी माह तक 15.72, मेरठ जोन में 17.52, लखनऊ जोन में 12.11, वाराणसी जोन में 10.26 और गोरखपुर जोन में 8.65 करोड़ कैन बीयर का उपभोग हुआ है।

एमजीक्यू से है 27 प्रतिशत अधिक देशी की खपत

फरवरी माह तक 11 महीने में प्रदेश में 74.15 करोड़ लीटर देशी मदिरा की खपत हुई है। गत वर्ष इस दौरान 70.33 करोड़ लीटर की खपत हुई थी। गत वर्ष के सापेक्ष देशी मदिरा की खपत में 5.7 प्रतिशत की वृद्धि है। एमजीक्यू (मिनिमम गारंटी कोटा) फरवरी माह तक 58.53 करोड़ लीटर था जिससे खपत में 26.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। फरवरी माह में 6.68 करोड़ लीटर देशी मदिरा की खपत हुई है। गत वर्ष 6.57 करोड़ लीटर इस दौरान खपत हुई थी। गत वर्ष के सापेक्ष खपत में 1.7 प्रतिशत और एमजीक्यू के सापेक्ष 25.2 प्रतिशत फरवरी माह में खपत बढ़ी है। फरवरी माह का एमजीक्यू 5.34 करोड़ लीटर था। फरवरी में आगरा जोन में 1.65 करोड़ लीटर, मेरठ जोन में 1.70 करोड़ लीटर, लखनऊ जोन में 1.33 करोड़ लीटर, गोरखपुर में 1.08 और वाराणसी जोन में 0.90 करोड़ लीटर देशी मदिरा की खपत हुई है। फरवरी माह तक वाराणसी जोन में 10.09, गोरखपुर जोन में 12.35, लखनऊ जोन में 14.65, मेरठ जोन में 18.66 तथा आगरा जोन में 18.41 करोड़ लीटर देशी मदिरा का उपभोग हुआ है।

Molasses Production

शीरा वर्ष 2023-24 में फरवरी तक का शीरे का विवरण (लाख क्विंटल में)

क्रम	विवरण	2022-23	2023-24
1.	प्रारम्भिक अवशेष	15.78	32.73
2.	वर्ष में उत्पादन	391.23	376.05
3.	**कुल उपलब्धता**	**407.01**	**408.78**
4.	खपत-		
	क- स्वयं की आसवनी	148.10	170.76
	ख- गृह खपत		
	1. आरक्षित	48.75	51.28
	2. अनारक्षित	28.26	26.84
	योग (1+2)	**77.00**	**78.13**
	ग- निर्यात (उत्तराखण्ड सहित)	0.00	2.98
	घ- छीजन	0.11	0.28
5.	**योग (क + ख+ ग+ घ)**	**225.21**	**252.14**
6.	अवशेष	181.80	156.64
7.	बिलो ग्रेड	0.00	0.00
8.	जला शीरा	0.00	0.00
9.	**अवशेष ग्रेडेड**	**181.80**	**156.64**

शीरे के उत्पादन में आई गिरावट

अल्कोहल उद्योग के लिए शीरा सबसे महत्वपूर्ण रॉ मैटेरियल है। उत्तर प्रदेश में अल्कोहल और शीरे का उत्पादन भी सबसे अधिक है। शीरा वर्ष 1 नवम्बर से 31 अक्टूबर के बीच होता है। वर्तमान सत्र 2023-24 में फरवरी माह तक 376.05 लाख क्विंटल शीरे का उत्पादन हुआ है। जबकि गत वर्ष इस दौरान 393.23 लाख क्विंटल शीरे का उत्पादन हुआ है। कैप्टिव अर्थात स्वयं की आसवनी और रिजर्व शीरे की मांग गत वर्ष से बढ़ी है। अनारक्षित शीरे की मांग में गिरावट है। इस साल 2.98 लाख क्विंटल शीरे का निर्यात हुआ है जबकि गत वर्ष इस दौरान शीरे का निर्यात नहीं हुआ था। चीनी मिलों में आरक्षित 49.54 तथा अनारक्षित 156.64 लाख क्विंटल शीरे का स्टॉक है।

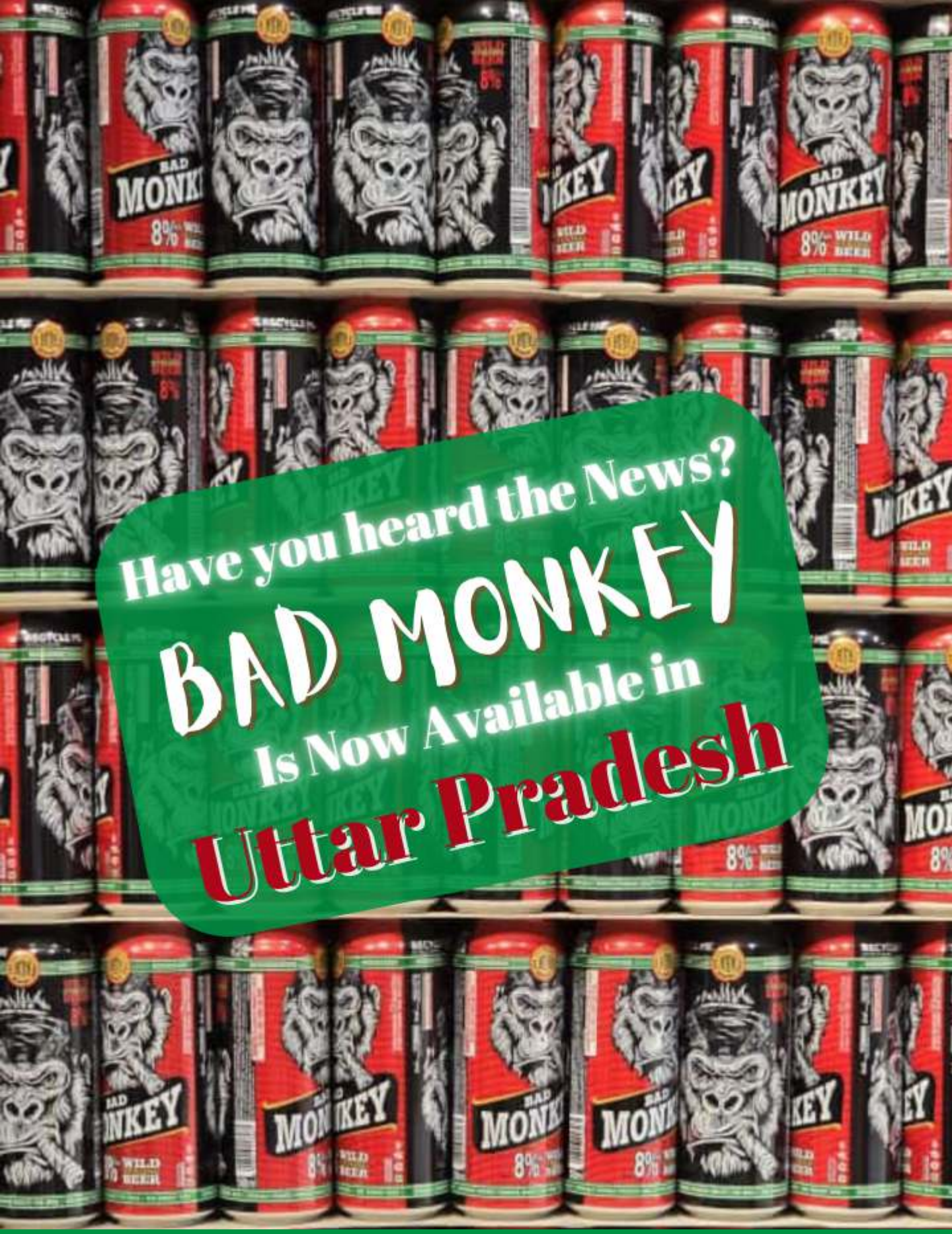

U.P | Delhi | Punjab | Chandigarh | Jharkhand |Daman- Diu | Silvassa
Australia | Newzealand | Middle East

Natural Resource Biochem Pvt. Ltd.

(ISO, GMP, HALAL, KOSHER, FSSAI, Certified Company)

We would also like to introduce ourselves as ISO 9001:2015 & 22000: 2018, GMP, HALAL, KOSHER, FSSAI certified Enzymes Manufacturing and Application Research Oriented Biotech Company having 12 years of experience in delivering Novel Enzyme Solutions and Technical Support for Industries like Sugar, Ethanol, Paper ,Textile, ETP for process improvement & increase overall efficiencies through our Products and Services. Over the years we have build a reputation of valued industrial supplier for many domestic and international clients such as :

Dalmia Bharat Sugar, HBL, PARLE, DCM SHRIRAM, KM Sugar Mills Ltd., bajaj hindusthan sugar ltd., UTTAM SUGAR, DHAMPUR, GSML, The Seksaria Group, LHSF LH Sugar Factories Ltd., SIMBHAOLI SUGARS, INDUSHANKAR CHINI UDYOG LTD., CHANDRIKA DISTILLERY, RELIENCE SUGAR & CHEMICAL INDUSTRIES PVT. LTD., NEPAL

OUR PRODUCTS

Distillery Products (Molasses Based)

Nboost-FE™
(100% Urea DAP and other Nutrients Replacement Blend of Bio-Nutrients)

CWR -Sol®
(Condensate Water Recycle and High VA Supporting Enzyme

Alcogain®
(Molasses Fermentation Booster & Enzymes (C-Heavy))

Alcogain-SY®
(Juice Syrup & B-Heavy Molasses Fermentation Enzyme)

Mol Protect® & M-Bcide
(TRS Enhancer /Preservation Enzyme & Biocide for Molasses storage)

Distillery Products (Grain Based)

Alpha4 2x
(Liquification Enzyme)

Gluco6 2x
(Saccrification Enzyme)

FaliG/N Yield
(Dry Yeast)

Lactoguard
(Antibiotic/Booster)

Alcogain-G
(Grain Fermentation Booster)

ETP/CPU Products

Nboost-ET™
(100% Urea and DAP Replacement Blend of Bio-Nutrients)

Nbac-BC
(Bio-culture for Effluent Treatment Plant)

Reacto-Boost
(Bio-Derived Micro Nutrients for Anaerobic Digestors)

Sugar Industry Products

Dex-NR
(Fungal Dextranase for sugar Cane Industry)

Amyle -NR
(Amylase enzyme for sugar cane Industry)

OUR SERVICES

- Annual Contract for O&M for Molasses/Syrup/Grain Fermentation, Distillation, ETP, STP, & CPU.
- Per BL Process Enzymes/Chemicals Rate contract for Syrup/Grain Fermentation.
- Analysis of Potable water /Domestic waste Water/Industrial Effluent.
- Ambient air quality & Noise Level monitoring.
- Flue gas Emission Monitoring from stationary/Mobile source.
- Water audit (Flow Meter Calibration)
- Soil testing.
- Environmental Compliance & Auditing.
- Water & wastewater management.

COMPANY RECOGNITION

Head Office : 3rd Floor, Pratap Market, Cinema Road, Gorakhpur - 273001 (U.P.)
Regional Office : C-1/554 Ratan Khand, Sharda Nagar, Lucknow-226012
Production Centre* : C-18, Sector-26, GIDA, Gorakhpur-273212
www.nrbplindia.in Follow us on :
+91-8090066345, info@nrbplindia.in

*Upcoming

Consumption

देशी, विदेशी और बीयर की खपत

फरवरी 2023 तक

क्रम	जनपद	देशी	विदेशी	बीयर
1	वाराणसी	17392837	9677359	26223015
2	चंदौली	8414652	5135512	5924371
3	गाजीपुर	12543185	5191525	9940578
4	जौनपुर	12672407	4474285	9542010
	वाराणसी प्रभार	**51023081**	**24478682**	**51629974**
5	प्रयागराज	16691594	8670939	21490137
6	कौशांबी	3122060	1082151	3201183
7	फतेहपुर	8893189	2507493	5059385
8	प्रतापगढ़	5368254	2343237	5646786
	प्रयागराज प्रभार	**34075098**	**14603820**	**35397491**
9	मिर्जापुर	7834296	2404244	5879238
10	सोनभद्र	3919426	2299792	6370647
11	संत रविदासनगर	4030668	1224088	3294141
	मिर्ज़ापुर प्रभार	**15784390**	**5928125**	**15544025**
	वाराणसी जोन	**100882569**	**45010627**	**102571491**
12	आजमगढ़	16363187	4018550	9929051
13	बलिया	8877570	6950877	8911609
14	मऊ	8836865	1371272	6209664
	आज़मगढ़ प्रभार	**34077621**	**12340699**	**25050324**
15	गोरखपुर	23473633	6635560	19088525
16	देवरिया	15888708	7995337	11047058
17	महाराजगंज	10324004	1509370	6513045
18	कुशीनगर	17550807	8000989	9326855
	गोरखपुर प्रभार	**67237152**	**24141255**	**45975483**
19	बस्ती	9207484	1983087	6245418
20	संत कबीर नगर	6134415	1045731	3773439
21	सिद्धार्थनगर	6814892	1254707	5450301
	बस्ती प्रभार	**22156792**	**4283525**	**15469158**
	गोरखपुर जोन	**123471565**	**40765480**	**86494966**
22	लखनऊ	28476277	17168071	43595088
23	हरदोई	15575402	2217521	5840927
24	लखीमपुर खीरी	7368465	2345803	5230171
25	रायबरेली	7877325	2768325	6882999
26	सीतापुर	10853525	2448980	5683949
27	उन्नाव	14439541	2905217	6904006
	लखनऊ प्रभार	**84590535**	**29853918**	**74137140**
28	अयोध्या	9091324	2852304	6618291
29	बाराबंकी	11655059	2739605	6914824
30	सुल्तानपुर	5141759	2331377	5382891
31	अंबेडकर नगर	10253699	1586263	4260327
32	अमेठी	4327417	1219450	3820604
	अयोध्या प्रभार	**40469258**	**10729000**	**26996937**
33	गोण्डा	7566514	2522984	6739460
34	बहराइच	8321515	1490589	7252567
35	बलरामपुर	3798579	1213554	3712011
36	श्रावस्ती	1745918	429189	2254127
	देवीपाटन प्रभार	**21432527**	**5656316**	**19958166**
	लखनऊ जोन	**146492320**	**46239233**	**121092243**
37	बरेली	15537273	4713478	8871376
38	बदायूं	10130615	2059369	3815443
39	पीलीभीत	6849986	1066700	2135883
40	शाहजहांपुर	8714423	2073464	4154516
	बरेली प्रभार	**41232297**	**9913010**	**18977218**
41	मेरठ	14849018	7062043	18208902
42	बगपत	3828660	1507639	3383193
43	बुलंदशहर	14917129	4747209	11668476
44	गाज़ियाबाद	19512231	12732317	31774254
45	हापुड़	6671450	2294037	5532905
46	गौतमबुद्ध नगर	19683140	13878520	40999634
	मेरठ प्रभार	**79461628**	**42221766**	**111567365**
47	मुरादाबाद	8602781	4748821	8023738
48	संभल	7010083	1287163	2543884
49	अमरोहा	6580328	2077548	5335447
50	रामपुर	6735784	1177206	3307258
51	बिजनौर	13252094	4918706	8363006
	मुरादाबाद प्रभार	**42181069**	**14209444**	**27573332**
52	सहारनपुर	11497128	3585060	7322836
53	मुजफ्फरनगर	9109087	3134985	7151854
54	शामली	3082578	1198789	2587645
	सहारनपुर प्रभार	**23688792**	**7918833**	**17062335**
	मेरठ जोन	**186563786**	**74263053**	**175180250**
55	आगरा	19260952	12676490	30193896
56	फिरोजाबाद	8681596	4172940	9640446
57	मथुरा	7125867	6580684	17410940
58	मैनपुरी	7712022	1852100	4733284
	आगरा प्रभार	**42780438**	**25282214**	**61978567**
59	अलीगढ़	13226160	6809311	15692191
60	हाथरस	5545578	2333347	5022760
61	एटा	7280466	1800117	4589432
62	कासगंज	4876639	1367727	3427677
	अलीगढ़ प्रभार	**30928843**	**12310501**	**28732060**
63	कानपुर नगर	28964502	10891005	22181734
64	कानपुर देहात	10112853	1673842	3673462
65	इटावा	6655659	1841714	5013204
66	औरैया	5154324	1204179	3372204
67	फर्रूखाबाद	8180470	1669443	4429962
68	कन्नौज	8311743	1081938	3413854
	कानपुर प्रभार	**67379551**	**18362121**	**42084420**
69	झांसी	9336167	2483643	6990016
70	जालौन	6000306	1851436	3737906
71	ललितपुर	6782122	951699	2868712
	झांसी प्रभार	**22118595**	**5286778**	**13596634**
72	बाँदा	7581656	1553329	3993959
73	चित्रकूट	3666607	769971	2342424
74	हमीरपुर	5571011	879753	2312990
75	महोबा	4104583	620271	2161874
	चित्रकूट धाम प्रभार	**20923858**	**3823325**	**10811247**
	आगरा जोन	**184131284**	**65064938**	**157202927**
	राज्य कुल	741541525	271343331	642541877

(देशी शराब की खपत लीटर में, विदेशी मदिरा की बोतल में और बीयर कैन (500 एमएल) में है।

UNIVERSAL FORCES INDUSTRIES PVT. LTD.

PROMISING STEPS TOWARDS BIOENERGY

26+ Modern Distillery

12+ Evaporation Plants

12+ Biogas Plants

21+ Fuel Ethanol Plants

170+ Happy Customer

100+ Experienced Staff

EXPERTISE & OFFERINGS

- India's 1st EPC company-
  Installation of 5 Greenfield Distillery & Ethanol Plant with
  # Incineration Boiler
  # ZLD with spentwash drying followed by granulated bio-fertilizer unit mode.
- Turnkey Plants and EPC Projects.
- Technical Consultancy and Project Feasibility.
- Advanced, Economical & Environment friendly ZID plants.
- Multi-feed fuel, efficient, ECO-friendly power plants. (Boilers)
- Single Umbrella for Distillery, Ethanol process plant, Evaporation, Boiler, ZLD and civil work.
- ISO 9001:2015 company having state of art of own manufacturing facility with top class certifications from IBR & ASME.
- 3 decade background of running plant with no updations with proven technology.
- Free full time Inplant training centres for customer staff.

Corporate Office :
Universal Center,
130 C, Sector No. 10,
PCNTDA MIDC, Bhosari,
Pune - 411 026

Manufacturing Facilities

Unit - I :
T/3/380, Gat No.78,
Jyotibanagar, Talawade,
Pune - 411 062

Unit - II :
C - 6, Phase - I
Chakan MIDC,
Pune - 410 105

ufisales1@gmail.com
info@universalforces.in
abhishek@universalforces.in
+91 9763715559
+91 9763717138/16
+91 8267992230

www.universalforces.in

उत्तराखण्ड

मेट्रो मदिरा से पहाड़ में खुलेगें रोजगार के नए अवसर

पहाड़ के माल्टे, सेब, किन्नू, काफल आदि फ्रूट्स वैश्विक बाजार और दाम न मिलने से अब बर्बाद नहीं होंगे। सरकार की मेट्रो लिकर (शराब) नीति धरातल पर उतरी तो इन फ्रूट्स के उचित दाम काश्तकारों को मिलेंगे और मांग बढ़ेगी। इससे जहां पहाड़ में पलायन रुकेगा वहीं रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। साथ ही तस्करी से बिकने वाली कच्ची, जहरीली और नशीली शराब पर भी पूरी तरह से बैन लग जाएगा।

देश-विदेशों की तर्ज पर फलों, वनस्पतियों और पत्तियों से बनने वाली अच्छी गुणवत्ता की सस्ती और स्वास्थ्य के लिहाज से उत्तम मेट्रो मदिरा उत्तराखंड में भी बिकेगी। सरकार ने नई शराब नीति में

87 प्रतिशत शराब दुकानों का हुआ आवंटन

प्रशांत आर्य

शराब की 544 दुकानों का 24 मार्च तक आवंटन किया जा चुका है। आबकारी विभाग ने 2121.19 करोड़ रुपये का राजस्व भी सुरक्षित कर लिया है। आबकारी आयुक्त प्रशांत आर्य के मुताबिक प्रदेश में देशी-विदेशी शराब की कुल 628 दुकानें स्वीकृत हैं। इसमें से 544 का व्यवस्थापन सफलतापूर्वक किया जा चुका है। दुकानों का कुल राजस्व 2437 करोड़ रुपये निर्धारित है, जबकि आवंटित दुकानों से 2121.19 करोड़ रुपये का राजस्व सुनिश्चित किया जा चुका है।

यह कुल दुकानों का 87 प्रतिशत है और शेष अव्यवस्थापित दुकानों के आवंटन के लिए द्वितीय चरण की लाटरी प्रक्रिया अपनाई जाएगी। इसके लिए जिला स्तर पर जिला आबकारी अधिकारी समुचित प्रचार-प्रसार करेंगे। आबकारी आयुक्त के मुताबिक वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 4440 करोड़ रुपये के राजस्व का लक्ष्य रखा गया है। इस लक्ष्य के सापेक्ष 3961.24 करोड़ रुपये का राजस्व सुनिश्चित किया जा चुका है। बड़े जिलों की बात की जाए तो देहरादून व हरिद्वार में सभी दुकानों का आवंटन किया जा चुका है। इसके अलावा टिहरी और रुद्रप्रयाग में भी शत प्रतिशत दुकानें आवंटित की जा चुकी हैं।

अंग्रेजी शराब की दुकानों में स्वास्थ्य की दृष्टि से उत्तम और सस्ती मेट्रो मदिरा का प्रावधान किया है। यह मदिरा उत्तराखंड में राजस्व बढ़ाने एवं जनस्वास्थ्य के लिहाज से महत्वपूर्ण साबित होगी। पहाड़ी उत्पादों से बनने वाली मेट्रो मदिरा की नीति राज्य के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार, राजस्व और पहाड़ में पलायन रोकने में मदगार साबित होगी। राज्य में मेट्रो मदिरा बनाने के लिए फलों, वनस्पतियों, पत्तियों आदि उत्पादों की मांग से पहाड़ में पारंपरिक खेती, उद्यानिकी से रिवर्स माइग्रेशन भी बढ़ेगा।

आबकारी नीति में स्पष्ट किया गया है कि पहाड़ी फलों, उत्पादों से बनने वाली मेट्रो मदिरा पहाड़ में ही तैयार होगी। इसके अलावा मेट्रो मदिरा का नाम भी माल्टे, पुलम, सेब, आड़ू, काफल, किंगोड़, ईशर, बमोर जैसे नामों से ब्रांड तैयार होंगे। इससे स्थानीय स्तर पर बड़ी संख्या में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार भी बढ़ेगा।

मेट्रो मदिरा का निर्माण अच्छी गुणवत्तायुक्त फलों, पत्तियों और वनस्पतियों से होगा। यह स्वास्थ्य की दृष्टि से कम हानिकारक और गुणवत्ता की दृष्टि से अच्छी और सस्ती होगी। खासकर इसमें 40 प्रतिशत अल्कोहल की तीव्रता ब्रांडेड आईएमएफएल की तर्ज पर रखा जाएगा।

डिस्टिलरी से लेकर दुकान तक पहुंचाने, बेचने पर विभाग की कड़ी निगरानी रहेगी। मेट्रो मदिरा पूरे देश और दुनिया में बिक रही है। नई शराब नीति में इसको पूरे राज्य में बेचने का प्रावधान किया है। यह स्वास्थ्य की दृष्टि से उत्तम, सस्ती और कम तीव्रता की मदिरा है। उत्तराखंड में पूरे 13 जनपदों में स्थानीय उत्पादों के नाम से इसे बेचा जाएगा। वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अपने राज्य के स्थानीय उत्पादों को एक अच्छा बाजार उपलब्ध कराने के लिए मेट्रो मदिरा का उत्पादन जहां एक ओर राज्य के उत्पादों को एक नई पहचान देगा वहीं तेजी से बदलती अर्थव्यवस्था में एक उत्प्रेरक का कार्य करेगा।

दिल्ली

तीसरी बार बढ़ाई गई आबकारी नीति

दिल्ली में एक्साइज पॉलिसी को विस्तारित कर दिया गया है। गौरतलब है कि विभाग ने अपनी पुरानी पॉलिसी को ही बढ़ाने का फैसला किया है। ये तीसरी बार एक्साइज पॉलिसी को बढ़ाया गया है। पिछले साल दो बार पुरानी पॉलिसी को छह-छह महीने के लिए दो बार एक्सटेंड किया जा चुका है। पिछला एक्सटेंशन 31 मार्च को खत्म हो रहा है। आबकारी के एक अधिकारी का कहना है कि फिलहाल पुरानी पॉलिसी में किसी प्रकार की बदलाव की जरूरत महसूस नहीं हो रही है, इसलिए पुरानी पॉलिसी को ही जारी रखा जा रहा है। दरअसल, नई आबकारी नीति के विवादों में आने के बाद दिल्ली सरकार ने उस पॉलिसी को वापस ले लिया था। उसके बाद नई पॉलिसी बनने तक पुरानी पॉलिसी को ही जारी रखने का फैसला किया गया था। 1 अक्टूबर 2022 से अगले 6 महीने यानी 31 मार्च 2023 तक के लिए पुरानी पॉलिसी को ही दोबारा लागू कर दिया गया था, इसके बाद 2023 में दो बार पहले अप्रैल में और बाद में सितंबर में इस पॉलिसी को एक्सटेंड किया गया था। अब यह तीसरा मौका होगा जब पॉलिसी को एक्सटेंड किया जाएगा।

Anton Paar

Exciting Offer valid only till March 31, 2024

Ensure what is on the label is in the bottle

Handheld Alcohol Meter

Snap 51

Measure distilled spirits with an outstanding accuracy of 0.1 %v/v

No need for manual corrections: results in %v/v or °Proof

Replaces all glass hydrometers: measuring range from 0 %v/v to 100 %v/v

Ready for on-site use: splash-proof, with hard-glass front and metal measuring cell

Exciting offer on Snap 51. Find the price difference upon registering.
In case of any query contact Ms. Pooja Yadav at pooja.yadav@anton-paar.com or +91-9810336374.

KNOW MORE

www.anton-paar.com

हरियाणा

आबकारी राजस्व पहुंचा 11 हजार करोड़ रुपये

दुष्यंत चौटाला

हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा है कि उनका दृढ़ निश्चय है कि वे राज्य में दो नंबर की शराब (अवैध शराब) को रोकेंगे। उन्होंने कहा कि बेहतरीन आबकारी नीति की बदौलत ही पिछले चार वर्षों में आबकारी राजस्व 6100 करोड़ से बढ़कर 11000 करोड़ रुपये तक पहुंचा है। वे 27 फरवरी को विधानसभा में इनेलो विधायक अभय चौटाला द्वारा आबकारी विभाग में प्लास्टिक की बजाय कांच की बोतलों में शराब बेचने से संबंधित दिए गए निर्देशों पर उठाए गए सवाल का जवाब दे रहे थे।

आबकारी विभाग ने प्रदेश में शराब को प्लास्टिक की बोतलों की बजाय कांच की बोतलों में बिक्री करने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत 29 फरवरी के बाद राज्य में प्लास्टिक की बोतलों में शराब की बिक्री पर प्रतिबंध रहेगा। विभाग का यह कदम राज्य सरकार की आबकारी नीति का पार्ट था ताकि प्रदेश में अवैध तौर पर बिक्री होने वाली शराब पर रोक लग सके। कांच की बोतलों में पैक की जाने वाली शराब को ट्रांसपोर्टेशन और ट्रैक एंड ट्रेस करना आसान होगा। इससे कार्य में पारदर्शिता आएगी और दो नंबर की शराब (अवैध शराब) की बिक्री बंद होगी।

उन्होंने कहा कि अवैध शराब पर रोक लगाने के लिए अगर भविष्य में भी इस प्रकार के सकारात्मक कदम उठाने पड़े तो वे जरूर उठाएंगे। विभाग द्वारा कांच की बोतलों में शराब बेचने के निर्देशों को कतई वापस नहीं लिया जाएगा। शराब का ट्रांसपोर्टेशन करने वाले वाहनों के लिए ट्रैक एंड ट्रेस लागू किया है। फ्लोमीटर लगाने के साथ-साथ डिस्टिलरी में सीसीटीवी कैमरे लगाने की दिशा में सरकार ने कदम आगे बढ़ाए हैं। इसी का परिणाम है कि वर्तमान में आबकारी राजस्व में 6100 करोड़ रुपये से बढ़कर 11000 करोड़ रुपये तक रिकॉर्ड बढ़ोतरी हुई है।

जम्मू कश्मीर

नीलामी में आये 2280 करोड़

वर्ष 2024 में शराब की दुकानों की नीलामी से आबकारी विभाग ने 2280 करोड़ रुपये की वसूली की है। जबकि 2020 में यह कमाई 1320 करोड़ रुपये थी। कश्मीर के काजीगुंड में एक शराब की दुकान 5.23 करोड़ रुपये में नीलाम हुई है, जो पूरे प्रदेश में सबसे महंगी है। इसके बाद उधमपुर के रामनगर में दुकान 3.41 करोड़ रुपये में नीलाम हुई, जोकि जम्मू संभाग में सबसे महंगी है।

किस वर्ष कितनी कमाई

वर्ष	करोड़ रुपये
2020	1320
2021	1353
2022	1777
2023	1796
2024	2280

तीन वर्ष पहले जम्मू-कश्मीर में शराब की दुकानों को हर वर्ष ठेके पर देने की नीति लागू की गई थी। इसके पहले दुकानों का लाइसेंस रिन्यू होते थे। लेकिन नई नीति के लागू होते ही सरकार की कमाई हर वर्ष बढ़ती ही गई। बता दें कि सरकार की कमाई अभी और बढ़ सकती है। यह कमाई 2400 करोड़ तक जा सकती है। जबकि शराब की 38 दुकानें अभी नीलाम होना बाकी हैं। जिससे भी करीब 30 करोड़ आने की उम्मीद है।

कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी, बरेली

चेतावनी

होली के अवसर पर सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अवैध शराब के अड्डों, ढाबों, परचून की दुकानों, ईटं भट्ठों आदि से बिकने वाली अवैध मदिरा का सेवन न करें, क्योंकि अवधै अड्डों से बिकने वाली मदिरा जहरीली हो सकती है तथा मिथाईल एल्कोहल भी हो सकता है। मिथाईल एल्कोहल एक विष है, जिसके अल्प मात्रा के सेवन से भी आंखों की रोशनी जाने के साथ-साथ व्यक्ति की मृत्यु हो सकती है।

ऐसे कार्यों में संलिप्त व्यक्तियों के विरूद्ध आजीवन कारावास से लेकर मृत्यु दण्ड की सजा एवं 10 लाख रूपये के जुर्माने का प्रावधान आबकारी अधिनियम में किया गया है। यदि कोई व्यक्ति किसी मादक वस्तु का विक्रय करता है या उपलब्ध करता है या करवाता है तो उसकी सूचना आबकारी विभाग के निम्नलिखित नम्बरों पर दें-

कण्ट्रोल रूम नंबर- 14405
व्हाट्सएप नंबर- 94544 66019

विजय प्रताप सिंह
(जिला आबकारी अधिकारी)
मो. 9454465646

मदिरा पंजीयन के लिए देनी होगी साढ़े पांच लाख फीस

MP EXCISE DEPARTMENT
Madhya Pradesh

विदेशी मदिरा निर्माताओं को एफएल 9 के लाइसेंस के अधीन बनाई जाने वाली विदेशी शराब की बोतलों पर लेबल के लिए अब साढ़े पांच लाख रुपए और विदेशी मदिरा स्पिरिट एफएल 9 लाइसेंस के अंतर्गत एक निर्माता के एक से अधिक लेबलों की समेकित लेबल पंजीयन फीस पचास लाख रुपए देना होगा। वाणिज्य कर विभाग ने विदेशी मदिरा के लेबल पंजीयन की फीस नये सिरे से तय की है। 31 मार्च 2022 के बाद अब इसमें बदलाव किया गया है। विदेशी मदिरा स्पिरिट एफएल 9 लाइसेंस के अंतर्गत लेबल पंजीयन के लिए दो लाख 75 हजार रुपए देना होगा। वहीं एफएल क लाइसेंस के अंतर्गत प्रत्येक फ्रेंचाइजी, सबलीजी से अनुबंध करने के लिए साढ़े पांच लाख रुपए तक लेबल पंजीयन फीस देना होगा। विदेशी मदिरा बीयर बी-3 लाइसेंस और विदेशी मदिरा बीयर बी-3/9 क लाइसेंस के अंतर्गत फीस दो लाख बीस हजार रुपए लगेगी।

अंगूर से बनी वाईन के लिए केवल 11 सौ रुपए फीस

विदेशी मदिरा वाइन बी-3 लाइसेंस के अंतर्गत राज्य में उत्पादित अंगूर से मध्यप्रदेश राज्य में निर्मित वाईन के लाइसेंस पंजीयन के लिए केवल 11 सौ रुपए फीस साल में एक बार लगेगी।

विदेशी मदिरा स्पिरिट एफएल 9 लाइसेंस के अंतर्गत एक निर्माता के एक से अधिक लेबलों की समेकित लेबल पंजीयन फीस पचास लाख और विदेशी मदिरा रेडी टू ड्रिंक हेतु प्रति एफएल 9 क लाइसेंस के अंतर्गत एक से अधिक लेबलों के लिए समेकित लेबल पंजीयन फीस दस लाख रुपए होगी। वहीं विदेशी मदिरा स्पिरिट बीयर और वाईन एफएल दस क और दस ख लाइसेंस के अंतर्गत एक और विभिन्न निर्माताओं के सभी लेबलों के लिए समेकित पंजीयन फीस दस लाख रुपए होगी। एफएल 10 क लाइसेंस के अंतर्गत विदेशी मदिरा वाईन के सभी लेबलों की समेकित पंजीयन फीस अब एक लाख रुपए होगी।

मिलेट्री के लिए विदेशी मदिरा के लिए अलग फीस

राज्य के बाहद स्थित विदेशी मदिरा निर्माता को सीएसडी, पैरा मिलेट्री को विदेशी मदिरा स्पिरिट और बीयर लेबल पंजीयन फीस एक लाख दस हजार रुपए वार्षिक होगी। रज्य के बाहर स्थित विदेशी मदिरा निर्माता द्वारा सीएसडी पैरा मिलेट्री को विदेशी मदिरा व वाईन के लिए 11 हजार रुपए फीस लगेगी। विदेशी मदिरा स्पिरिट, बीयर और वाईन के अन्य किसी देश को निर्यात किये जाने के लिए लेबल पंजीयन फीस 55 हजार रुपए लगेगी।

कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी, कौशाम्बी

सावधान!! **चेतावनी** सावधान!!

होली का त्यौहार सन्निकट होने के कारण असामाजिक तत्वों द्वारा अवैध मदिरा, रेक्टीफाइड स्प्रिट, डिनेचर्ड स्प्रिट एवं मिथाइल अल्कोहल की बिक्री की संभावना बढ़ जाती है। अतः त्यौहार के मद्देनजर अवैध मदिरा के सेवन से बचें। जन-साधारण को सूचित किया जाता है कि अवैध अड्डो से खरीदी गयी शराब में मिथाइल अल्कोहल भी मिला हो सकता है, जो घातक जहर है और इसकी बहुत थोड़ी मात्रा पीने से आदमी अन्धा हो सकता है एवं उसकी जान भी जा सकती है। अतः किसी भी दशा में अवैध स्थानों/अड्डों से खरीद कर शराब का सेवन न करें।

अपील

उत्तर प्रदेश में वैध शराब पाउच में नहीं बिकती है, इसलिए अपने परिवार की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुये अधिकृत आबकारी ठेके से ही क्यूआर कोड लगी बोतलें खरीदें। पाउच वाली शराब किसी भी हालत में न खरीदें क्योंकि वह पूर्णतया नकली एवं जानलेवा है। अवैध शराब की बिक्री के अड्डों की सूचना जिला आबकारी अधिकारी एवं जनपद के आबकारी निरीक्षकों को दे सकते है, सूचना देने वाले का नाम व पहचान पूर्णतया गुप्त रखा जाएगा।

(राजेश प्रसाद)
जिला आबकारी अधिकारी
मो. 9454465615

(अवैध शराब की सूचना के लिए कंट्रोल रूम 14405 94544 66019)

WAVE

RAFFLES
GREEN APPLE
SPECIAL GRAIN
VODKA

Don't worry,
don't cry,
drink vodka,
and fly!

★ DRINK RESPONSIBLY • DON'T DRINK & DRIVE • FOR LEGAL DRINKING AGE ★

SBC MINERALS (P) LTD

F-4, 1st Floor, Manish Chamber, LSC, Surajmal Vihar, Delhi - 110092
sbc_minerals@yahoo.co.in

- ✓DOMESTIC COAL
- ✓IMPORTED COAL
- ✓LIGNITE COAL
- ✓HMS SCRAP

STEEL INDUSTRIES

PAPER INDUSTRY

ETHANOL

POWER PLANTS

DISSELERY

SUGAR INDUSTRY

Deals in : –

- ☑ Domestic Coal from-Ranigunj, Jharkhand, Singrauli, Varanasi, Bilaspur, Thangarh and Assam.
- ☑ Lignite coal from Badmer and bikaner
- ☑ Imported coal USA, Indonesian, Russian and South African.
- ☑ HMS Scrap from West Coast India.
- ☑ Help to Get CIL linkage and Further Loading

CONTACT PERSON

Ravindra Aggarwal 09810125030 | **Sushil Ahuja** 09335283012

नगर निगम द्वारा निर्मित दुकानों में ही खुलेंगी मदिरा दुकानें

प्रदेश में अब नगर निगम या नगरीय निकाय द्वारा निर्मित दुकानों में ही शराब दुकानें खोली जाएंगी। नई आबकारी नीति में राज्य सरकार ने इसके प्रावधान किए हैं। यह अनिवार्यता अगले वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए की गई है। इसके अतिरिक्त जिला आबकारी समिति द्वारा निर्धारित किए गए स्थान पर भी शराब दुकानें खोली जा सकेगी। इसके अलावा मप्र में महुआ से निर्मित हेरीटेज शराब पर अब वैट के भुगतान से 31 मार्च 2030 तक छूट रहेगी। इसके लिए आबकारी कार्यालय ने सभी जिला कलेक्टरों को सूचना जारी कर दी है। राज्य सरकार ने 22 फरवरी 2023 को अधिसूचना जारी कर हेरिटेज शराब पर आबकारी ड्यूटी और निर्यात शुल्क से सात वर्ष तक यानी 22 फरवरी 2030 तक छूट प्रदान की थी और वैट से छूट सिर्फ एक वर्ष के लिए दी थी। अब वैट की छूट भी सात वर्ष तक कर दी गई है। सरकार ने अंगूर से बनी वाइन के अलावा अन्य फलों तथा शहद से बनी वाइन को भी आबकारी शुल्क के भुगतान से छूट दी है। यह निर्णय किसानों की आय में वृद्धि करने के उद्देश्य से लिया गया है ताकि फलों के उद्यान विस्तार एवं प्रसंस्करण को बढ़ावा मिल सके।

50 हजार में मिलेगा होम बार लाइसेंस

वित्तीय वर्ष 2024- 25 में होम बार लाइसेंस 50 हजार रुपये सालाना लाइसेंस फीस पर उन्हीं व्यक्तियों को मिलेगा जिनकी गत वर्ष सकल व्यक्तिगत आय एक करोड़ रुपये या इससे अधिक रही हो। भोपाल, इंदौर, जबलपुर एवं ग्वालियर एयरपोर्ट के अलावा अब अन्य व्यावसायिक उड़ानें संचालित करने वाले एयरपोर्ट पर भी विदेशी शराब के विक्रय के काउंटर खोलने जाएंगे।

ईको पर्यटन स्थलों पर भी मिलेगी मदिरा

प्रदेश सरकार ने ईको पर्यटन स्थलों पर शराब परोसने की अनुमति दे दी है। यह निर्णय पर्यटकों की संख्या में बढ़ोतरी करने के लिए लिया गया है। ईको पर्यटन बोर्ड के प्रदेशभर में 291 से अधिक ईको पर्यटन स्थल हैं। इनमें से कुछ स्थानों पर पहले से ही शराब उपलब्ध है, लेकिन अब शेष स्थानों पर भी यह सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। पर्यटन बार लाइसेंस नामक एक नया लाइसेंस आबकारी विभाग ने पेश किया है। इस लाइसेंस के तहत, ईको टूरिज्म बोर्ड की इकाइयों को मात्र 50 हजार रुपये वार्षिक फीस पर शराब परोसने की अनुमति दी जाएगी। ईको पर्यटन स्थलों पर मिट्टी के घरों का निर्माण भी किया जा रहा है। इन घरों में चूल्हे पर भोजन पकाया जाता है। पर्यटकों को जंगल का अनुभव कराने के लिए यह प्रयोग किया जा रहा है। मिट्टी के घरों के निर्माण में बांस और घास का भी प्रयोग किया गया है। सरकार का मानना है कि ईको पर्यटन स्थलों पर शराब की उपलब्धता और मिट्टी के घरों का निर्माण पर्यटकों को आकर्षित करेगा और राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देगा।

कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी, देवरिया

समस्त क्षेत्रवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएं

चेतावनी

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि होली के पर्व पर अवैध शराब के अड्डों जैसे- ढाबों, परचून की दुकानों, ईंट भट्ठों आदि से बिकने वाली अवैध मदिरा का सेवन न करें। क्योंकि अवैध अड्डों से बिकने वाली मदिरा जहरीली हो सकती है। इसके सेवन से आंखों की रोशनी जाने के साथ-साथ व्यक्ति की मृत्यु भी हो सकती है। यदि कोई व्यक्ति किसी मादक वस्तु का बिक्रय करता है या उपलब्ध कराता या बिक्रय करवाता है जो किसी मानव की अपगंता, गंभीर आघात, मृत्यु अथवा किसी परिणामी चोट का कारण बनता है तो उसके आजीवन कारावास की सजा से लेकर मृत्युदण्ड की सजा एवं 10 लाख रूपये जुर्माना हो सकता है का प्रावधान आबकारी अधिनियम में किया गया है।

(अनिल कुमार भारती)
जिला आबकारी अधिकारी
मो. 9454465625

आप सभी से यह भी अपील है कि यदि किसी भी व्यक्ति जो अवैध रूप से मदिरा बनाता है, विक्रय करता है अथवा विक्रय करवाता है, तो इसकी सूचना आबकारी विभाग में निम्नलिखित नम्बरों पर अवश्य दें।

(अवैध शराब की सूचना के लिए कंट्रोल रूम 14405 9454466019)

नई आबकारी नीति का उद्देश्य है राजस्व वृद्धि

हरपाल सिंह चीमा

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए नई आबकारी नीति 10145. 95 करोड़ रुपए के ऐतिहासिक राजस्व वसूली के लक्ष्य को हासिल करने के लिए तय की गई है। नयी आबकारी नीति संबंधी जानकारी देते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने 9 मार्च को कहा कि बीते 2 वर्षो दौरान कर और आबकारी विभाग द्वारा शुरू किए गए सुधारों को जारी रखते हुए फुटकर बिक्री लाईसेंस एल-2/ एल- 14ए की अलाटमैंट ड्रा के द्वारा की जाएगी। लाइसेंसों के लिए समूह का आकार रणनीतक तौर पर कम कर दिया गया है प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए एक अनुकूल लाइसेंस फीस की शुरुआत की गई है।

साल 2024- 25 के लिए ग्रुपों का आकार 15 प्रतिशत कम या अधिक के अंतर के साथ 35 करोड़ रखा गया है। फुटकर आई.एम.एफ.एल/ आई.एफ.एल के पास जारी करने के लिए 200 रुपए प्रति प्रूफ़ लीटर और फुटकर बीयर के पास जारी करते समय 50 रुपए प्रति बल्क लीटर लाईसेंस फीस रखी गई है।

अतिरिक्त राजस्व जुटाने और देसी शराब की अपेक्षित उपलब्धता के लिए 2024-25 में देसी शराब (पी.एम.एल) के कोटे में पिछले साल की अपेक्षा 3 प्रतिशत बढ़ाकर 8.286 करोड़ प्रूफ़ लीटर कर दिया गया है। साल 2024-25 में देसी शराब की कीमत में कोई बढ़ोत्तरी नहीं होगा। केंद्रीय पुलिस संगठनों को राहत देते हुए एल-1की लाइसेंस फीस 5 लाख रुपए से घटा कर 25000 रुपए कर दी गई है। उन्होंने कहा कि आयातित विदेशी शराब (आई.एफ.एल) की कीमत साल 2024-25 फीस ढांचे के तर्कसंगत होने के कारण घटेंगी। इसके अलावा सिक्योरिटी की राशि भी 17 प्रतिशत से घटा कर 15 प्रतिशत कर दी गई है।

नकली शराब के मुद्दो से निपटने के लिए इस नीति के अंतर्गत आबकारी इंस्पेक्टरों की निगरानी में हुए समागम के बाद मैरिज पैलेसों में इस्तेमाल की जाती शराब की बोतलों को तोड़ना सुनिश्चित किया गया है।

संगरूर में जहरीली शराब से मृतकों की संख्या हुई 21

संगरूर जिले के दिड़बा में जहरीली शराब से शुरू हुई मौतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। सुनाम में 22 मार्च को शराब से छह लोगों की मौत हो गई। सात लोगों को स्थानीय सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसके साथ ही जिले में जहरीली शराब से मरने वालों की संख्या हिन्दुस्तान के मुताबिक बढ़कर 21 हो गई है।

इसी बीच, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने मामले का स्वतः संज्ञान लेते हुए राज्य के मुख्य सचिव और डीजीपी से चार हफ्तों में रिपोर्ट मांगी है। पुलिस के मुताबिक, संगरूर के गांव गुजरां में गत 18 व 19 मार्च को मजदूरों ने सस्ती शराब खरीदकर पी थी। इसके बाद तबीयत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल ले जाया गया और एक-एक कर आठ लोगों की मौत हो चुकी है। इस मामले में गिरफ्तार गांव के ही तीन लोगों से पूछताछ में सामने आया है कि वे पटियाला के पातड़ां से खरीदकर शराब लाते और यहां बेचते थे। सुनाम में एक साथ छह लोगों की मौत के बाद डीएसपी मनदीप सिंह संधू की अगुआई में पुलिस ने घरों की तलाशी अभियान चलाया और कुछ घरों से नाजायज शराब की बोतलें भी बरामद की।

बार लाइसेंसधारकों को अब ग्राहकों के लिए स्व-इच्छित एल्कोहल के स्तर के मुल्यांकन के लिए अलकोमीटर प्रदान करने होंगे। 'सुरक्षित रहो- शराब पी कर गाड़ी न चलाओ' जैसे शराब ना पीने को उत्साहित करने वाले संदेश भी लगाने पड़ेंगे। नई आबकारी नीति में ड्रा के जरिए शराब की दुकानों के आवंटन की बात कही गई है।

सस्ती हुई इम्पोर्टेड विदेशी शराब

राज्य सरकार ने अपनी नई आबकारी नीति में विदेशी आयातित शराब को सस्ता कर दिया है। अब प्रति बोतल लगभग सौ से दो सौ रुपए प्रति बोतल सस्ती हो जाएगी। साथ ही पंजाब में बनने वाली शराब की कीमतों में भी कोई वृद्धि नहीं की गई है। पंजाब में सबसे ज्यादा खपत इसी की है। काबिले गौर है कि इससे पहले पंजाब की जो भी आबकारी नीति रही है उसमें शराब महंगी होने के कारण हरियाणा और चंडीगढ़ से भारी मात्रा में तस्करी होने की शिकायतें आती रही हैं। इन दोनों राज्यों के साथ लगने वाले इलाकों के ठेके या तो नीलाम ही नहीं होते थे या फिर घाटे में रहते थे। अब शराब सस्ती करने के कारण असर उलटा हो गया है। इस नीति के कारण ही पंजाब की आमदनी में भी इजाफा हुआ है।

622 करोड़ रुपए बढ़ेगा राजस्व

पूर्व सरकार के दौरान जो आमदनी 6200 करोड़ रुपए तक ही अटकी हुई थी वह दो सालों में ही दस हजार करोड़ का आंकड़ा छू गई है। नई आबकारी नीति से 622 करोड़ रुपए की आमदनी पिछले साल के मुकाबले बढ़ेगी। पंजाब सरकार ने पिछले साल ही हरियाणा, चंडीगढ़ प्रशासन के लिए चुनौती पेश कर दी थी । शराब का कोटा असीमित कर दिया था जिस कारण भारत में बनी विदेशी शराब (आईएमएफएल) और देशी शराब की कीमत चंडीगढ़ और हरियाणा से सस्ती हो गई। साथ ही देसी शराब का कोटा भी तीन फीसदी बढ़ा दिया है।

PREMIUM BULK & OWN LABEL WHISKY SUPPLY

Angus Dundee
DISTILLERS PLC

Angus Dundee has over 60 years experience of distilling, bottling and exporting Scotch Whisky products and other spirits around the world.

Our success is based on tailoring product specification to meet customer requirements, providing a rapid response, exporting our whiskies to more than 70 countries worldwide.

WE HAVE EARNED AN OUTSTANDING REPUTATION FOR EXPORTING BULK WHISKY AND DEVELOPING OWN-LABEL PRODUCTS FOR OUR CUSTOMERS

BULK

Angus Dundee can supply Scotch Whisky in bulk for bottling locally. We offer a wide range of bulk options for our customers, including:

- **BlendedScotchWhiskyforlocalbottling**
- **BlendedMaltScotchWhisky**
- **BlendedGrainScotchWhisky**

Each of these products can be tailored to suit the needs of our customers. We export bulk Scotch Whisky all over the world.

OWN-LABEL

We are experienced at providing the finest Scotch Whisky, distilled, blended and bottled in Scotland, with the customers own brand and label, from value-for-money to exclusive premium brands. This hallmark service is of particular importance to customers who are creating their own brand for a particular market.

We always put the same level of commitment and passion into creating bespoke products for our customers as we do into creating products for our own portfolio.

www.angusdundee.co.uk

Sanjiv K Puri (Regional Director - Indian Sub Continent), 9810018896
Angus Dundee India Pvt. Ltd: 127, First Floor , DLF Galleria Mall, Mayur Vihar Phase 1 Extn.District Centre, Delhi 110091
Ph.: (D) +91 11 43011406; (O) +91 11 42118896, Email: spuri@angusdundee.co.uk/sbisht@angusdundee.co.uk

RELIABLE
Heavy Engg. [N] Pvt. Ltd.

FRUIT WINE AND BEER EQUIPMENT

Reliable Heavy Engg. Pvt Ltd Provides smart winery solutions provide fundamental support to all commercial winemakers in pursuit of superior performance and product excellence

Our commercial wine making equipment is designed to cover the entire process, from the Fruits being harvested to must preparation and Bottling Line

Engineering....
Reliably The Indian Industry

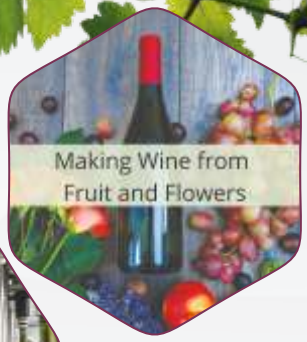

SOLUTION

- Reception and Sorting
- Pumps and pumping units
- Fermentation End to End Solution
- Destemmers and Crushers
- Optimal Grape Pressing

ADVANCED BOTTLING AND PACKAGING SOLUTION FOR WINE / SPIRITS & BEER MICRO AND CRAFT BREWERIES

FILLING SYSTEMS DEDICATED TO WINES AND LIQUEURS

Wine product development
Consulting on what and how can client develop different wine products as per market demand and current ongoing trend in alcohol industry.

Winery set-up and design
WinePlanet team will be available on a regular basis as needed on site, via phone or conference call for all aspects of consultation with winery construction staff, engineers, etc. for the design and building of the winery.

Business related NOC and required process for production licenses
Guidance to apply required NOC'S and government approval and required documents to get start with production license

Project management
The business plan that evolves from the facilitation provided by the Consultant will be realistic, attainable and match the values and long term goals of the owners.

Production of the wines & production training
Training on basic production and wine analyses to assistant wine maker will be provided by Wine Planet team member

Business plan development
Wine Planet providing consultation services on these area as per client requirement to as per our best knowledge of global market research on fruit wine. Our team is also equipped with various aspects of this industry to guide

Strategic planning
The Consulting team will strive to constantly provide added value by keeping the Client informed of relevant industry developments, business opportunities and research in wine market

Orchard & fruit selection planning
Raw material selection guideline to help client make production very effective way with out loosing quality and international standard.

Laboratory & sensory analysis
We need ground staff report as accurate as possible to guide off site clients, we will assure by giving proper training to local wine makers for laboratory and sensory reports.

Advice with "problem" wines
Ready to rumble 24/7 for problem wines Wine Planet having most experiences team in this industry to work for clients with problem wines with proper market plans.

Quality Assurance training
Creating quality product is the supreme target of wine planet team. Wine Planet has fully end to end production to bottling training program for clients as per their requirements.

Equipment selection, installation & training operation
Our team will guide and suggest our clients about all type of equipment selection as per the requirement of production capacity.

- Fruit Winery Equipments
- Beer Fermenter
- Pressure Vessels
- Spirit Tanks
- Milk Silos
- Working Platform
- Catwalk
- Reactor
- Storage Vessels
- Blending Tanks
- Pipeline Project

SERVICES

- Winery Set -Up and Design
- Equipment Selection Installation and Training Operation
- Business related NOC & Required Process for Production Licence
- Wine Product Development
- Raw Material Fruit Selection Guideline with Planning
- Production Training for Wines with Quality Assurance
- Project Management with Strategic Planning

+91 7744002672
+91 9511205187
+91 2532992461
info@reliable-techno.com
reliableheavyengg@gmail.com
www.reliable-techno.com
D-9, M.I.D.C., Ambad, Nashik - 422010 Maharashtra, India

DATTA S. MORE
(MD)

देशी-विदेशी मदिरा पर सेस की लगेगी नई दर

राज्य शासन ने शराब की हर बोतल, अद्धी और पौवा पर देशी-अंग्रेजी शराब के लिए अधोसंचरचना विकास शुल्क तय किया है। देशी मदिरा (मसाला एवं प्लेन के लिए) बोतल पर 80 रुपए, अद्धी पर 40 और पौवा पर 20 रुपए देने होंगे। इसी तरह विदेशी मदिरा (स्प्रिट) 1000 मिली. तक की बोतल के लिए 120 रुपए, 767 मिली के लिए 80 रुपए, 383 मिली से कम, लेकिन 246 मिली. वाली शीशी के लिए 40 रुपए और 191 मिली. से कम, लेकिन 142 मिली वाली छोटी शीशी के लिए 20 रुपए देने होंगे। विदेशी मदिरा (माल्ट के लिए) 767 मिली. से अधिक, लेकिन 495 मिली से कम के लिए 20 रुपए और 383 मिली. ले कम, लेकिन 246 मिली. से अधिक के लिए 10 रुपए प्रति बोतल देने होंगे।

सेस की नई दर

1000 मिली	120 रुपए
767 मिली	80 रुपए
383 मिली	40 रुपए
246 मिली	40 रुपए
191 मिली	20 रुपए
142 मिली	20 रुपए

बोतल पर रहेगी कैमरे की नजर

आबकारी विभाग ने शराब बिक्री के लिए हर खरीदार के लिए मात्रा भी तय की है। देशी या विदेशी मदिरा दुकानों से एक व्यक्ति को एक बार में देशी अथवा विदेशी मदिरा (स्प्रिट/माल्ट) की केवल एक बोतल अथवा 2 अद्धी अथवा 4 पौवा का ही विक्रय किया जाएगा। साथ ही देशी, विदेशी (प्रीमियम)/ कंपोजिट मदिरा दुकानों पर आवश्यकता अनुरूप सीसीटीवी कैमरे स्थापित किया जाना अनिवार्य होगा।

पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में 2022-23 की आबकारी नीति में कोविड-19 महामारी के विरुद्ध अधोसंरचना उन्नयन के लिए राशि की प्रतिपूर्ति के लिए देशी मदिरा के फुटकर विक्रय दर पर प्रति नग 10 रुपए की दर से विशेष आबकारी शुल्क अधिरोपित किया गया था। इसके साथ ही शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र की महत्वाकांक्षी योजनाओं के लिए वित्त पोषण के लिए न्यूनतम ड्यूटी दर की विदेशी मदिरा तथा सभी प्रकार की बीयर के प्रति नग पर 10 रुपए दी दर से तथा विदेशी मदिरा के प्रति नग पर 20 रुपए की दर से अतिरिक्त आबकारी शुल्क अधिरोपित किया गया था।

इस साल होंगी 672 दुकानें संचालित

वर्ष 2023-24 में राज्य में 670 शराब दुकानें संचालित किए जाने के साथ ही बड़े जिलों में प्रीमियम शराब दुकानें संचालित करने की अनुमति दी गई थी। राज्य शासन ने 2024-25 के लिए निर्णय लिया है कि इस वित्तीय वर्ष में 672 मदिरा दुकानें चलाई जाएंगी। जरूरत के हिसाब से प्रीमियम शराब दुकानें संचालित करने की अनुमति दी गई है। सरकार ने साफ किया है कि इस साल कोई भी शराब दुकान बंद नहीं की जाएगी।

तीन करोड़ लीटर बिकेगी देशी मदिरा

सुखविंदर सिंह

आबकारी विभाग ने नई शराब नीति में न्यूनतम कोटा फिक्स कर दिया है। प्रदेश में आगामी वित्तीय वर्ष में पांच करोड़ 24 लाख 52 हजार 997 लीटर न्यूनतम शराब की बिक्री का लक्ष्य तय किया गया है। इसमें तीन करोड़ 33 हजार लीटर घरेलू (देशी), जबकि दो करोड़ 24 लाख 19 हजार 972 लीटर अंग्रेजी शराब की खपत होगी। आबकारी विभाग की नई पालिसी पहली अप्रैल से लागू होनी है। लाहुल और पांगी क्षेत्र को भी इसमें शामिल किया गया है। विभाग ने जिलों के आधार पर कोटा फिक्स किया है। प्रदेश में शराब की न्यूनतम खपत के मामले में कांगड़ा पहले नंबर पर है, जबकि शिमला दूसरे और मंडी तीसरे स्थान पर है। इन तीन जिलों में कुल कोटे का 50 फीसदी न्यूनतम खपत का लक्ष्य तय किया है। न्यूनतम खपत के हिसाब से ही आबकारी विभाग प्रदेश में शराब की यूनिट की नीलामी कर रहा है। न्यूनतम तय खपत कोटे में कांगड़ा जिला का टारगेट देशी शराब का 52,27,870 लीटर और अंग्रेजी शराब का 34,28,088 लीटर तय किया है। शिमला में 40,41,266 देशी और 31,68,977 लीटर अंग्रेजी शराब, तो मंडी में 31,60,877 लीटर देशी और 21, 28,500 लीटर अंग्रेजी शराब आगामी वित्तीय वर्ष में बिक्री होगी। आबकारी विभाग पहली अप्रैल से नई शराब नीति के तहत काम शुरू करेगा और इसमें न्यूनतम कोटे को आगामी वित्तीय वर्ष में खपत करना होगा।

जिला	देशी मदिरा कोटा (लाख लीटर में)	विदेशी मदिरा कोटा (लाख लीटर में)
शिमला	40.41	31.68
मंडी	31.60	21.28
सोलन	19.11	16.15
सिरमौर	15.71	7.81
बिलासपुर	15.93	10.52
कुल्लू	14.85	27.43
लाहुल और पांगी	1.25	2.13
नूरपुर	22.97	12.29
हमीरपुर	17.82	12.47
ऊना	24.30	17.35
चंबा	19.48	12.45
किन्नौर	2.20	3.74

होटलों में हाई एंड वाइन शॉप

पर्यटन निगम के होटलों में बड़े ब्रांड की शराब अप्रैल से उपलब्ध रहेगी। आबकारी विभाग ने तीन जिलों के सात होटल में हाई एंड वाइन शॉप खोलने का फैसला कर लिया है। पर्यटन निगम के होटलों में शराब की दुकान चलाने की रूपरेखा तय हो चुकी है। विभाग ने नई पॉलिसी में शिमला, कुल्लू और कांगड़ा में पर्यटन निगम के होटलों में शराब की दुकानें चलाने का फैसला लिया है। शिमला के आशियाना (गुफा) में, एप्पल ब्लॉस्म फागू और एमसी पार्किंग टूटीकंडी में शराब की दुकानें खुलेंगी। कांगड़ा में होटल धौलाधार और होटल भागसू (मकलोडगंज), जबकि कुल्लू में होटल कुंजुम (मनाली) और पर्यटन निगम के होटल धोलूनाला में ये दुकानें चलेंगी। आबकारी एवं कराधान विभाग 31 मार्च के बाद नई पालिसी को लागू करेगा और इसके बाद पर्यटन निगम के होटलों में हाई एंड वाइन शॉप खुल जाएंगी।

कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी, जौनपुर

चेतावनी

होली के अवसर पर सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अवैध शराब के अड्डों, ढाबों, परचून की दुकानों, ईटं भट्ठों आदि से बिकने वाली अवैध मदिरा का सेवन न करें, क्योंकि अवधै अड्डों से बिकने वाली मदिरा जहरीली हो सकती है तथा मिथाईल एल्कोहल भी हो सकता है, मिथाईल एल्कोहल एक विष है, जिसके अल्प मात्रा के सेवन से आंखों की रोशनी जाने के साथ-साथ व्यक्ति की मृत्यु हो सकती है।

ऐसे कार्यों में संलिप्त व्यक्तियों के विरूद्ध आजीवन कारावास से लेकर मृत्यु दण्ड की सजा एवं 10 लाख रूपये के जुर्माने का प्रावधान आबकारी अधिनियम में किया गया है। यदि कोई व्यक्ति किसी मादक वस्तु का विक्रय करता है या उपलब्ध करता है या करवाता है तो उसकी सूचना आबकारी विभाग के निम्नलिखित नम्बरों पर दें-

(उमेश चन्द्र पाण्डेय)
जिला आबकारी अधिकारी
मो. 9454465613

(अवैध शराब की सूचना के लिए कंट्रोल रूम 14405 9454466019)

DRINK RESPONSIBLY

bee young

INDIA'S FIRST CRAFTED STRONG BEER

EUROPEAN BEER CHALLENGE 2023 GOLD LONDON

Smoothest Strong Beer.
Artfully Crafted to Perfection.

From the house of Kimaya Himalayan Beverages LLP

For trade inquiry Contact us

Care@kimayahimalayan.com www.beeyoung.co.in

AVANT-GARDE

ENGINEERS, DESIGNERS AND CONSULTANTS

ISO 9001-2015 CERTIFIED ORGANIZATION

28+ YEARS OF EXCELLENCE

TURNKEY ENGINEERING SOLUTIONS FOR DISTILLERY PROCESS AND SLOP INCINERATION COGEN PROJECTS

Distillery Plant in existing or new Sugar Plants or Stand alone plants using Sugar Syrup / Raw Sugar / B Molasses / C Molasses or / and Grains - Rice, Maize, Millets, etc.,

- ★ Feasibility Report / DPR
- ★ Basic Engineering
- ★ Detailed Engineering
- ★ Process Engineering
- ★ Procurement Assistance
- ★ Project Management
- ★ Inspection & Expediting Services
- ★ Supervision of Erection & Commissioning
- ★ Plant Automation Engineering

Multi-Feed & Multi Product Distillery

3 x 250 KLPD Grain Based Distillery For KRIBCHO in Gujarat, AP & Telangana

Design & Detailed Engineering of SLOP Incineration Boilers

Sucessfully Comissioned 365 KLPD Syrup / B-Heavy / Grain based distillery plant for BCML, Maizapur, UP

ZERO LIQUID DISCHARGE

Comissioned **20+** Distilleries of **2800+** KLPD
Under Execution **45+** Distilleries of **7000+** KLPD

33+	9800+	8000+	250+	600+	40+
Years of engineering experience	KLPD of Distillery Projects	MW Power Projects	Professionals	Clients	Countries

Process Engineering I Civil & Structural I Mechanical I Electrical & Instrumentation
Quality Control I Project Management I Site Services

AVANT-GARDE ENGINEERS AND CONSULTANTS (P) LTD.,
68A, Kundrathur High Road, Porur,
Chennai - 600 116, Tamil Nadu, India.
Tel: +91-44-4598 1200, +91-44-2482 7843
Fax: +91-44-2482 8531
Email: agsc@avant-garde.co.in
Web : www.avantgarde-india.com
SCAN QR

AVANT-GARDE SYSTEMS AND CONTROLS (P) LTD.,
67A, Kundrathur High Road, Porur,
Chennai-600 116, Tamil Nadu, India.
Tel: +91-44-4598 1200, +91-44-2482 7843
Fax: +91-44-2482 8531
Email: agsc@avant-garde.co.in
Web : www.avantgarde-india.com
SCAN QR

AVANT-GARDE ENGINEERS AND CONSULTANTS (FZC),
Executive Suite, P.O. Box: 122632,
Sharjah,
U.A.E.
Tel: + 971566924002
Email: info@avant-gardefzc.com
Web : www.avant-gardefzc.com
SCAN QR

follow us: "Avant Garde India"

आबकारी चलायेगा हाई एंड लिकर वैन

प्रदेश मंत्रिमंडल ने कल राज्य की नयी आबकारी एवं कराधान नीति को मंजूरी दी है। इसके तहत विभाग नए वित्त वर्ष में अपने कारोबार को बढ़ाने के लिए कई कदम उठाने जा रहा है। विभाग ने पड़ोसी राज्यों से शराब के अवैध कारोबार को रोकने के लिए अंग्रेजी शराब की कीमतों में 50 से 100 रुपए प्रति बोतल की कटौती की है। इसके अलावा विभाग अपने हर यूनिट में स्मार्ट शॉप खोलेगा और हाई एंड लिकर वैन चलाएगा। इसके अलावा डिपार्टमेंटल स्टोर में भी विभाग वाइन बेचने की तैयारी में है।

अवैध शराब का कारोबार रोकने के प्रयास

आबकारी एवं कराधान विभाग ने पड़ोसी राज्यों से शराब के अवैध कारोबार को रोकने के लिए भी प्रयास किए हैं। इसके लिए प्रदेश में अंग्रेजी शराब की कीमतों में 50 से 100 रुपए प्रति बोतल की कटौती की गई है। ताकि पड़ोसी राज्य से होने वाले शराब के अवैध कारोबार को रोका जा सके, जिससे विभाग को शराब कारोबार में नुकसान नहीं उठाना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त विभाग हर यूनिट में स्मार्ट शॉप खोलेगा और लिकर वैन चलाएगा। इसी तरह से राजस्व जुटाने के लिए डिपार्टमेंटल स्टोर में भी वाइन बेचने की तैयारी है।

लाइसेंस फीस भी तय

विभाग ने एल-2, एल-14,एल-14 ए की लाइसेंस फीस भी तय कर दी है। यह दो लाख रूपए प्रति टेंडर तय की गई है। इसके अलावा कंट्री लीकर की टेंडर फीस 25 हजार रूपए तय की गई है। आवेदनकर्ता एक से ज्यादा ठेके के लिए अप्लाई नहीं कर सकेगा।

तैयार की जायेगी अब अनाज आधारित शराब

छोटे उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के लिये विभाग फ्रूट वाइन के अलावा अब ग्रेन बेस्ड वाइन यानी मॉल्ट वाइन भी तैयार करेगा। यानी अब अनाज से भी प्रदेश में शराब तैयार होगी, जिसकी डिमांड काफी रहती है। नीलामी के तहत सिरमौर में 5 मार्च से ठेकों की नीलामी शुरू हो रही है। इसके लिए आवेदक 4 मार्च को अपना आवेदन जमा करवा सकते हैं। कांगड़ा, मंडी और हमीरपुर में भी 5 मार्च को ठेकों की नीलामी होगी। बिलासपुर, कुल्लू, लाहौल, पांगी, सोलन और किन्नौर में 6 मार्च को जबकि ऊना, नुरपूर, चंबा, शिमला और बीबीएन बद्दी में ठेकों की नीलामी 7 मार्च को होगी।

एक यूनिट पर खोले जा सकेंगे दो स्मार्ट लीकर शॉप

हिमाचल सरकार की नई पॉलिसी के अनुसार अब खाने-पीने के सामान की दुकानों (जैसे किराना शॉप, मॉल आदि) में भी लोग अंग्रेजी शराब की खरीददारी कर सकेंगे। सरकार द्वारा प्रत्येक यूनिट के तहत दो स्मार्ट लीकर शॉप खोलने की व्यवस्था की गई है। इसके लिए इच्छुक दुकानदार अपनी दुकानों में स्मार्ट लीकर शॉप खोलने के लिए कलेक्टर से परमिशन ले सकते हैं। इन दो स्मार्ट लीकर शॉप में दुकानदारों को यूनिट के कोटे से अंग्रेजी शराब बेची जा सकती है। इसके अलावा सरकार ने शराब की बोतलों पर से एमआरपी हटाकर एमएसपी की सुविधा शुरू कर दी है।

शहरी क्षेत्रों में अंग्रेजी शराब की दुकानों पर देशी शराब की सुविधा मिलेगी और स्वीट वाइन की दुकान खोलने के लिए न्यूनतम दूरी तथा एनओसी की शर्त हटा दी गई है। दुकानों तथा बार के खोलने व बंद करने के समय में छूट प्रदान की गई है। इसके साथ बीयर की शेल्फ लाइफ छह माह से बढ़ाकर नौ माह कर दी गई है। ठेका मालिक अंग्रेजी शराब का कोटा खपत के अनुसार ही उठा सकते हैं, दुकान में कोटे की बजाए यूनिट का कोटा होगा, बोली व निविदा पर कैश डाउन कंडीशन रहेगी। राज्य कर व आबकारी विभाग के अनुसार जिला ऊना में 143 शराब के ठेके हैं, जिनको आठ यूनिट में बांटा गया है।

कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी, बलिया

चेतावनी

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अवैध शराब के अड्डों, ढाबों, परचून की दुकानों, ईटं भट्ठों आदि से बिकने वाली अवैध मदिरा का सेवन न करें, क्योंकि अवधै अड्डों से बिकने वाली मदिरा जहरीली हो सकती है तथा मिथाईल एल्कोहल भी हो सकता है, मिथाईल एल्कोहल एक विष है, जिसके अल्प मात्रा के सेवन से आंखों की रोशनी जाने के साथ-साथ व्यक्ति की मृत्यु हो सकती है।

होली की शुभकामनाएं

ऐसे कार्यों में संलिप्त व्यक्तियों के विरूद्ध आजीवन कारावास से लेकर मृत्यु दण्ड की सजा एवं 10 लाख रूपये के जुर्माने का प्रावधान आबकारी अधिनियम में किया गया है। यदि कोई व्यक्ति किसी मादक वस्तु का विक्रय करता है या उपलब्ध करता है या करवाता है तो उसकी सूचना आबकारी विभाग के निम्नलिखित नम्बरों पर दें-

कण्ट्रोल रूम नंबर- 14405
व्हाट्सएप नंबर- 94544 66019

(विष्णु प्रसाद दुबे)
जिला आबकारी अधिकारी
मो. 9454465622

ठेकों की नीलामी से विभाग जुटाएगा 2700 करोड़ का राजस्व

प्रदेश में करीब 2,100 शराब ठेकों की नीलामी से आबकारी विभाग इस बार लगभग 2700 करोड़ रुपए राजस्व जुटाएगा। गत वर्ष से यह 200 करोड़ रुपये ज्यादा है। प्रदेश मंत्रिमंडल ने राजस्व जुटाने को आबकारी नीति में कई कदम उठाने का निर्णय लिया है। प्रदेश में नई आबकारी नीति के तहत 5 मार्च से शराब ठेकों की 8 जगहों पर नीलामी होगी, जो लगातार 3 दिन तक चलेगी। आबकारी एवं कराधान विभाग ने पड़ोसी राज्यों से शराब के अवैध कारोबार को रोकने के लिए भी प्रयास किए हैं। इसके लिए प्रदेश में अंग्रेजी शराब की कीमतों में 50 से 100 रुपए प्रति बोतल की कटौती की गई है, ताकि पड़ोसी राज्य से होने वाले शराब के अवैध कारोबार को रोका जा सके, इससे विभाग को शराब कारोबार में नुक्सान नहीं उठाना पड़ेगा।

इसके अतिरिक्त विभाग हर यूनिट में स्मार्ट शॉप खोलेगा और लिकर वैन चलाएगा। राजस्व जुटाने के लिए डिपार्टमैंटल स्टोर में भी वाइन बेचने की तैयारी है। विभाग ने एल-2, एल-14, एल-14 (ए) की 2 लाख प्रति टैंडर लाइसैंस फीस भी तय की है। इसी तरह से देसी शराब की टैंडर फीस 25,000 निर्धारित की गई है, जिसमें एक से ज्यादा के लिए आवेदन नहीं किया जा सकेगा। लाइसैंस एक साल के लिए ही मान्य होगा। आबकारी एवं कराधान विभाग के आयुक्त यूनुस ने बताया कि शराब के ठेकों की नीलामी की प्रक्रिया 5 मार्च से प्रारंभ हो रही है, जो कि 7 मार्च तक चलेगी। इन ठेकों की नीलामी से विभाग ने 2,600 से 2,700 करोड़ रुपए राजस्व जुटाने का लक्ष्य रखा है, वहीं नई आबकारी नीति को प्रभावी ढंग से लागू किया जाएगा।

गोवा पहला बीयर म्यूजियम खुलेगा जल्द

सुबोध केरकर

गोवा में देश का पहला बीयर म्यूजियम खुलने की तैयारी हो रही है। यह छह महीने में तैयार हो जायेगा। म्यूजियम 6 हजार वर्ग मीटर में फैला हुआ है। गोवा म्यूजियम (एमओजी) की स्थापना प्रसिद्ध आर्टिस्ट सुबोध केरकर ने की है। इस यूनिक प्रतिष्ठान का उद्देश्य कला, संस्कृति और निरंतर उत्सवों के साथ जुड़े हुए बीयर के इतिहास पर एक समकालीन दृष्टिकोण पेश करना है। म्यूजियम पारंपरिक प्रदर्शनों से हटकर आधुनिक कला और सांस्कृतिक कथाओं को अपनाने के लिए कहानी कहने के लिए एक दृष्टिकोण का वादा करता है।

सुबोध केरकर ने कहा, ''मैंने म्यूजियम के लिए एक नई पद्धति बनाई है। मैं इस प्रोजेक्ट पर बीते 10 से 15 साल से काम कर रहा हूं। आम तौर पर, किसी भी म्यूजियम में लेबल, मूर्तियां और हथियारों के साथ पुरानी कलाकृतियां होती हैं, जिनका उपयोग इतिहास बताने के लिए किया जाता है। लेकिन मेरे म्यूजियम में कुछ भी पुराना नहीं है। यह गोवा के इतिहास और संस्कृति की प्रतिक्रिया में समकालीन कला है और यहां तक कि 'बीयर म्यूजियम' भी इसकी प्रतिक्रिया है। इसका बहुत दिलचस्प इतिहास है। उन्होंने बताया कि यह लगातार बदल रहा है। इसकी कल्पना एक स्टोरहाउस के रूप में नहीं, बल्कि अनुभवों की प्रयोगशाला के रूप में की गई है। हम हमेशा काम जोड़ते और घटाते रहते हैं। यह एक गैलरी और म्यूजियम का मिश्रण है। हम कलाकृतियां भी खरीदते हैं और उसके लिए हर महीने एक बजट भी रखा है। हालांकि, इसकी स्थापना मैंने की थी लेकिन अब इसे मेरी बेटी चलाती है। इसके अलावा उन्होंने कहा गोवा मूल रूप से हर भारतीय के भीतर है।

कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी, गोण्डा

सावधान!! **अपील** सावधान!!

होली के त्यौहार को दृष्टिगत रखते हुए जन-साधारण को सूचित किया जाता है कि असामाजिक तत्व मदिरा की तस्करी एवं बिक्री करते हैं। अवैध अड्डों से खरीदी गयी शराब में मिथाइल अल्कोहल भी मिला हो सकता है, जो घातक जहर है और इसकी बहुत थोड़ी मात्रा पीने से आदमी अन्धा हो सकता है एवं उसकी जान भी जा सकती है। अतः किसी भी दशा में अवैध स्थानों/अड्डों से खरीद कर शराब का सेवन न करें।

उत्तर प्रदेश में वैध शराब पाउच में नहीं बिकती है, इसलिए अपने परिवार की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुये अधिकृत आबकारी ठेके से ही क्यूआर कोड लगी बोतलें खरीदें। पाउच वाली शराब किसी भी हालत में न खरीदें क्योंकि वह पूर्णतया नकली एवं जानलेवा है।

(राजेश सिंह)
जिला आबकारी अधिकारी
मो. 9454465642

(अवैध शराब की सूचना के लिए कंट्रोल रूम 14405 94544 66019)

ECONOMY

Fits right. Works right.

"Turnkey Solutions"

Fruit wineries

Integrated smart processing lines for 9 types of fruits like Mango, Apple, Pomegranate, Guava, Jamun, etc as small as 100 Kg/hr ideal for Boutique winery.

Economy is leader in Indian wine industry for providing turnkey technology and solutions from range of as small as 30000 LPA to as big as 10 Million LPA in turnkey basis.

Packaging solutions

Economy provides complete packaging line for

Still Wine Filling | Sparkling wine filling
Juice Bag in box filling | Juice pouch filling

In ranges from Manual 400 BPH to as big as 36000 BPH.

Sales and head office : Economy Process Solutions Pvt Ltd 1401, Vikas Centre, Dr. C. Gidwani Road Chembur (E) Mumbai 400 074

Factory : Plot No. PAP-V-91, Chakan Industrial Area, Phase- II, Village- Vasuli, MIDC Chakan, Tal- Khed, Dist- Pune, Pin – 410501

Write to us at : sales@economysolutions.in | enquiry@economysolutions.in

For enquiry : +91 22 2520 5864/66/67, +91 9820042610

WINE MAKING | BEER MAKING I BEVERAGES I CIDER I BOTTLING, PACKAGING & LABELING

Website : www.economysolutions.in

Wanted Distributors
डिस्ट्रीब्यूटर्स चाहिए

DANTA
VENTURRES

From the highlands of the Himalayas emerged many a solutions to humanity - be it physical, intellectual or spiritual. We at Danta Venturres harnessed the ancient wisdom of Ayurved and applied the cutting-edge nanotechnology to create the world's first Anti-hangover functional water in form of 'ShawRab'.

This one-of-its kind water is infused with carefully sourced Ayurvedic herbs such as Varaka and Tatri that are subjected to the most efficient nano-extraction process, so that you can savour it directly, before or after consuming alcoholic beverages or mix it directly to make your favorite cocktail or mocktail.

To market this exquisite product, we are seeking for regional distributors who have a good network with liquor stores, bars & restaurants, pubs and other suitable outlets.

If you are a serious party with capability to invest Rs.25 lacs, please call or WhatsApp on 81244 66000 or email at info@shawrab.com

हिमालय की ऊंची पहाड़ियों से मानवता के लिए कई समाधान निकले - चाहे वे भौतिक हों, बौद्धिक हों या आध्यात्मिक। दांता वेंचुर्रेस में हमने आयुर्वेद के प्राचीन ज्ञान का उपयोग किया और 'शॉवरब' के रूप में दुनिया का पहला एंटी-हैंगओवर कार्यात्मक पानी बनाने के लिए अत्याधुनिक नैनो तकनीक लागू की।

यह अपनी तरह का अनोखा पानी वरका और तात्री जैसी सावधानी से प्राप्त आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों से युक्त है, जो सबसे कुशल नैनो-निष्कर्षण प्रक्रिया के अधीन है, ताकि आप मादक पेय पदार्थों का सेवन करने से पहले या बाद में इसका सीधे स्वाद ले सकें या इसे सीधे मिला सकें। अपना पसंदीदा कॉकटेल या मॉकटेल बनाएं।

इस उत्कृष्ट उत्पाद का विपणन करने के लिए, हम ऐसे क्षेत्रीय वितरकों की तलाश कर रहे हैं जिनके पास शराब की दुकानों, बार और रेस्तरां, पब और अन्य उपयुक्त दुकानों के साथ अच्छा नेटवर्क हो।

यदि आप 25 लाख रुपये का निवेश करने की क्षमता वाली एक गंभीर पार्टी हैं, तो कृपया 8124466000 पर कॉल या व्हाट्सएप करें। email: info@shawrab.com

आम चुनाव की वजह से लिया फैसला

मदिरा दुकानों की लाईसेंस अवधि हुई 30 जून

अंश दीप

निर्वाचन आयोग के आदेशानुसार लोकसभा चुनाव- 2024 की घोषणा पर आदर्श आचार संहिता प्रभावी होने की अवधि में मदिरा दुकानों के आवंटन हेतु नीलामी की कार्यवाही सम्पादित नही की जा सकेगी। इस प्रकार इस अवधि में मदिरा दुकानों के अन्तरिम बन्दोबस्त की व्यवस्था के लिए मदिरा दुकानों के वर्ष 2023-24 के लाईसेंसधारकों की लाईसेंस अवधि को 30 जून 2024 तक बढाये जाने का निर्णय लिया गया है।

आबकारी आयुक्त अंश दीप ने बताया कि मदिरा दुकानों की वर्ष 2024-25 हेतु नवीनीकरण के लिए निर्धारित वार्षिक गारंटी राशि की एक चौथाई राशि की गारंटी पूर्ति बढाई गई अवधि 1 अप्रेल 2024 से 30 जून 2024 में करनी होगी। यदि कोई अनुज्ञाधारी निर्धारित गारंटी की पूर्ति नही कर पाता है तथा लोकसभा निर्वाचन के पश्चात संबंधित दुकान के नियमानुसार नीलामी, टेण्डर अथवा अन्यथा आवंटन किए जाने पर वार्षिक गारंटी राशि कम प्राप्त होती है तो बढाई गई अवधि हेतु निर्धारित गारंटी राशि में भी अनुपातिक रूप से कमी की जाकर तद्नुसार ही बकाया का निर्धारण किया जाएगा।

इस प्रकार लोकसभा चुनाव के बाद संबंधित दुकान की नीलामी या अन्य प्रकार से आवंटन द्वारा निर्धारित वार्षिक गारंटी राशि के अनुसार अनुपातिक त्रेमासिक राशि तक ही अनुज्ञाधारी से बकाया गारंटी राशि वसूलनीय होगी। उन्होंने बताया कि अनुज्ञाधारी से दुकान की वर्ष 2024-25 हेतु निर्धारित वार्षिक लाईसेंस फीस की एक चौथाई राशि वार्षिक लाईसेंस फीस के रूप में ली जाएगी। यह राशि 3 समान किश्तों में अप्रैल से जून माह में प्रतिमाह नकद या मासिक गारंटी पूर्ति पश्चात मदिरा उठाव द्वारा जमा कराई जा सकेगी।

अनुज्ञाधारी द्वारा वर्ष 2023-24 की बकाया गारंटी पूर्ति भी 30 जून 2024 तक मदिरा उठाव या नियमानुसार नकद जमा करा कर की जा सकेगी। लाईसेंसधारी द्वारा वर्ष 2023-24 हेतु जमा कराई गई अग्रिम वार्षिक गारंटी राशि का मदिरा उठाव द्वारा समायोजन भी 30 जून 2024 तक कराया जा सकेगा। मदिरा दुकान हेतु वर्ष 2023-24 के लिए जमा कराई गई धरोहर राशि की प्रभावी तिथि भी 30 जून 2024 तक रहेगी। मदिरा दुकान के लिए अन्य शर्तें वर्ष 2024-25 की आबकारी एवं मद्य संयम नीति के अनुसार रहेगी।

सरलीकरण से उपभोक्ता को मिलेगा लाभ

राजस्थान आबकारी एवं मद्यसंयम नीति वर्ष 2024-25 के तहत सरलीकरण, पारदर्शिता के साथ मदिरा दुकानों का बंदोबस्त, आपूर्ति की व्यवस्था सहित सभी प्रकार के लाइसेंस ऑनलाईन स्वीकृति की व्यवस्था की गई है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस की व्यवस्था करते हुए आबकारी शुल्क व लाइसेंस फीस में कोई वृद्धि नही की गई है जिसका लाभ अनुज्ञाधारियों का मिल रहा है। आबकारी आयुक्त ने बताया कि मदिरा दुकानों के व्यवस्थापन को पारदर्शी व सरल किया गया है। दुकानों को चालू वर्ष की वार्षिक गारंटी राशि के आधार पर ही आगामी वर्ष की वार्षिक गारंटी राशि या आरक्षित राशि के निर्धारण की व्यवस्था है। मदिरा के खुदरा विक्रेताओं द्वारा ऑनलाईन डिमाण्ड प्रस्तुत करने के साथ निर्माताओं से सीधे आपूर्ति की व्यवस्था है। उन्होंने बताया कि दुकानों के लिए गारंटी के मासिक उठाव तथा किसी माह में अधिक उठाव पर आगामी महिनों में समायोजन का प्रावधान किया है। देशी मदिरा की गारंटी में राजस्थान निर्मित मदिरा व आरएसजी एसएम द्वारा निर्मित मदिरा के उठाव की वैकल्पिक व्यवस्था है। दुकानों के अनुज्ञाधारियों द्वारा अपनी गारंटी पूर्ति करने हेतु अन्य अनुज्ञाधारी को हस्तांतरण की अनुमति के साथ प्रत्येक दुकान के लिए 2 गोदाम स्वीकृत करने का प्रावधान रखा गया है। अवैध मदिरा की रोकथाम के लिए लाइसेंसधारियों के निरीक्षण की भी रेंडमाईज्ड व्यवस्था की गई है। आरएसजीएसएम व आरएसबीसीएल द्वारा खुदरा विक्रेताओं को मदिरा परिवहन के लिए पंजीकरण की व्यवस्था की गई है।

आबकारी आयुक्त अंशदीप के अनुसार आपूर्ति व्यवस्था के तहत उद्यमियों को राहत के साथ नियंत्रित मूल्य वृद्धि का प्रावधान है। बोटलिंग प्लांट्स को देशी मदिरा निर्माण के लिए प्रतिवर्ष प्रति इकाई 3 लाख बल्क लीटर तक रियायती आयात फीस पर ईएनए अन्य राज्यों से क्रय करने की अनुमति है। निर्माण इकाईयों को लाइसेंस नवीनीकरण नही करा पाने पर आगामी वर्ष उस वर्ष की पूर्ण फीस के स्थान पर 25 प्रतिशत फीस के साथ लाईसेंस नवीनीकरण का प्रावधान है। इसी क्रम में स्वयं की डिस्टिलरी या वाइनरी नही होने पर भी हेरिटेज मदिरा, वाइन आरएसजीएसएम की हेरिटेज डिस्टलरी तथा वाइनरी में अनुबंध के आधार पर निर्माण की अनुमति है। पर्यटन की दृष्टि से जैसलमेर व कुंभलगढ क्षेत्र में होटल बार लाइसेंस फीस में कमी का प्रावधान किया है।

मक्के से बनी है कैसल हिल डार्क नाइट व्हिस्की

भारत में मक्का के सबसे बड़े उत्पादकों में नागालैंड भी है। मक्का की फसल चावल के बाद यहां दूसरे स्थान पर है। विक्की चंद ने वर्ष 2019 के अंत में असम में कैसल हिल डार्क नाइट लॉन्च की, यह व्हिस्की 100 फीसदी कॉर्न यानी मकई के साथ बनी थी। लेकिन कोविड महामारी के कारण यह योजना पीछे चला गया। इसे और अधिक राज्यों में लॉन्च करने की योजना भी शामिल थी। कॉर्न व्हिस्की इस साल के मध्य तक महाराष्ट्र और गोवा में उपलब्ध होगी। अभी यह व्हिस्की असम में उपलब्ध है।

प्रति दिन बनता है 50 हजार लीटर स्पिरिट

मनीकंट्रोल की एक रिपोर्ट के मुताबिक विक्की चंद रेडियंट मैन्युफैक्चरर्स चलाते हैं, जो उत्तर-पूर्व की सबसे बड़ी डिस्टिलरी में से एक है। विक्की चंद ने 1970 के दशक में दीमापुर में एक शराब की दुकान से छोटी शुरुआत की थी। आज उनके पास कार्बी आंगलोंग के खटखटी में एक डिस्टिलरी है जो प्रति दिन अनाज से 50,000 लीटर से अधिक स्पिरिट का उत्पादन करती है। उनके पास राज्य में दो बॉटलिंग प्लांट हैं। यह डिस्टिलरी नागालैंड के साथ असम की सीमा से केवल कुछ ही दूरी पर है।

अमेरिकी 300 से अधिक वर्षों से मकई से व्हिस्की बना रहे हैं। बॉर्बन, 'अमेरिकाज नेटिव स्पिरिट', मैश बिल कम से कम 51 प्रतिशत मकई के साथ बनाया जाता है। अमेरिका में 100 प्रतिशत मकई व्हिस्की जैसे बालकोंस बेबी ब्लू के साथ-साथ उच्च मकई बॉर्बन भी मिलेंगे। संयुक्त राज्य अमेरिका में, कॉर्न व्हिस्की की कानूनी परिभाषा कम से कम 80 प्रतिशत मकई के साथ फर्मेंटेड मैश वाली एक स्पिरिट है।

डार्क नाइट को नए ओकवुड पीपों में रखा जाता है और बांस के कोयले के माध्यम से फिल्टर किया जाता है। विक्की चंद, जो जिम बीम के बहुत बड़े प्रशंसक हैं, अपनी व्हिस्की को इसका 'छोटा बैच' बताते हैं। व्हिस्की पर काम लगभग आठ साल पहले एक मास्टर डिस्टिलर जॉन मैकडॉगल की मदद से शुरू हुआ था। जॉन मैकडॉगल ने ना केवल व्हिस्की बनाई है, बल्कि स्कॉटलैंड और संयुक्त राज्य अमेरिका में डिस्टिलरी का प्रबंधन किया है। विक्की चंद कहते हैं, 'हमने एक पूर्ण इकाई स्थापित की और टूटे हुए चावल और मकई दोनों अनाज से बनी स्पिरिट के साथ प्रयोग करना शुरू किया। मकई व्हिस्की को चखा तो वह हमें पसंद आई।'

नॉर्थ-ईस्ट की सबसे ज्यादा लोकप्रिय व्हिस्की

वर्ष 2013 में, डिस्टिलरी ने कैसल हिल रेयर रिजर्व व्हिस्की पेश की, जो साइट पर उत्पादित ताजा स्पिरिट और स्कॉटलैंड से स्कॉच माल्ट का मिश्रण था। इसके बाद उन्होंने मकई और टूटे चावल से बने अनाज को परिपक्व करने के बाद, क्रमशः 2019 और 2021 में कैसल हिल डार्क नाइट 2-वर्षीय और कैसल हिल डार्क नाइट 4-वर्षीय संस्करण का अनावरण किया। कैसल हिल्स डार्क नाइट नॉर्थ-ईस्ट की सबसे ज्यादा बिकने वाली व्हिस्की है। दो साल पुरानी कैसल हिल्स डार्क नाइट की कीमत 1200 रुपये और चार साल पुरानी की 1550 रुपये है।

कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी, शाहजहांपुर

सावधान!! **चेतावनी** सावधान!!

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि होली के पर्व पर अवैध शराब के अड्डों जैसे- ढाबों, परचून की दुकानों, ईंट भट्ठों आदि से बिकने वाली अवैध मदिरा का सेवन न करें। क्योंकि अवैध अड्डों से बिकने वाली मदिरा जहरीली हो सकती है। तथा इसके सेवन से आंखों की रोशनी जाने के साथ-साथ व्यक्ति की मृत्यु भी हो सकती है। यदि कोई व्यक्ति किसी मादक वस्तु का बिक्रय करता है या उपलब्ध कराता या बिक्रय करवाता है जो किसी मानव की अपगंता, गंभीर आघात, मृत्यु अथवा किसी परिणामी चोट का कारण बनता है तो उसके आजीवन कारावास की सजा से लेकर मृत्युदण्ड की सजा एवं 10 लाख रूपये जुर्माना हो सकता है का प्रावधान आबकारी अधिनियम में किया गया है।

उदय प्रकाश
(जिला आबकारी अधिकारी)
मो. 9454465649

आप सभी से यह भी अपील है कि यदि किसी भी व्यक्ति जो अवैध रूप से मदिरा बनाता है, विक्रय करता है अथवा विक्रय करवाता है, तो इसकी सूचना आबकारी विभाग में निम्नलिखित नम्बरों पर अवश्य दें।

(अवैध शराब की सूचना के लिए कंट्रोल रूम 14405 94544 66019)

HIGH ON MALT | IMPORTED HOPS

www.somindia.in

DRINK RESPONSIBLY | DON'T DRINK & DRIVE FOR LEGAL DRINKING AGE+

BIOFUEL EXPO 2024

International Exhibition on Biofuel Manufacturing Process & Technology, Plant Machinery & Equipment's and Allied Industries

Biofuel Expo
A Future Energy Business Platform

05-07 JUNE 2024 | India Expo Centre Greater Noida, U.P., India

ORGANIZERS

POWERED BY

GOLD PARTNER

BIOFUEL PARTNER

ASSOCIATE PARTNER

Media Partner

ASSOCIATIONS SUPPORT

महिलाएं बदल रही हैं, भारत में मदिरा की कहानी

डियाजियो ने भारत में महिला उपभोक्ताओं पर अपना ध्यान केंद्रित किया है, भले ही देश में ऐसी बहुत सी जगहें नहीं हैं जहां एक महिला शराब की दुकान या बार में सुरक्षित महसूस कर सके या पुरुष की नजरों से डरे बिना जा सके। डियाजियो इंडिया की प्रबंध निदेशक हिना नागराजन ने ईटी से कहा कि महिलाएं देश की स्पिरिट खपत की कहानी को और अधिक समावेशी बनाने के लिए बदल रही हैं, खासकर प्रीमियम वर्ग में, जिससे इस क्षेत्र में बेहतर अनुभव और प्रामाणिकता की जरूरत है। ईटी बिजनेस वुमन ऑफ द ईयर पुरस्कार की विजेता, 57 वर्षीय नागराजन ने कहा कि लक्जरी सेगमेंट में अब महिलाओं की मांग 40 प्रतिशत है, जो पिछले कुछ वर्षों में 25 प्रतिशत से बढ़ रही है। 'सिंगल माल्ट में नई वृद्धि में 64 प्रतिशत हिस्सेदारी महिलाओं की है। सामान्य तौर पर स्वाद और बहुमुखी प्रतिभा की आवश्यकताओं के मामले में महिलाओं की हिस्सेदारी अधिक है।

नागराजन ने कहा कि पारंपरिक रूप से पुरुष-प्रधान उद्योग में एक महिला नेता के रूप में, जाहिर तौर पर यह उद्योग के प्रतिमान को बदलने और इसे और अधिक समावेशी बनाने और प्राथमिकता को सामान्य बनाने का एक बड़ा अवसर था। दो साल से भी अधिक समय पहले, दुनिया की सबसे बड़ी शराब कंपनी डियाजियो ने नागराजन को अपने भारतीय कारोबार को विकास पथ पर वापस लाने, विशेष रूप से भारतीय शराब बाजार के प्रीमियम और प्रीमियम खंड में राजस्व और लाभ बढ़ाने का काम सौंपा था। बैगपाइपर और मैकडॉवेल्स के निर्माता की बिक्री स्थिर हो रही थी और कंपनी ने निचले स्तर के खंड से बाहर निकलने की एक घोषित रणनीति बनाई थी।

उनकी रणनीति तीन स्तंभों पर केंद्रित थी। जॉनी वॉकर, टैनकेरे और स्मरनॉफ जैसे ब्रांडों के माध्यम से प्रीमियमीकरण के नेतृत्व वाली वृद्धि में तेजी लाने पर ध्यान देने के साथ पोर्टफोलियो को दोबारा आकार देना, जबकि मध्यम से उच्च किशोर मार्जिन का मार्गदर्शन प्रदान करना; डिजिटल त्वरण; और भारत को 'अधिक

तीन दशक का है अनुभव

डियाजियो में शामिल होने से पहले, नागराजन ने पैकेज्ड उपभोक्ता सामान व्यवसायों में तीन दशकों से अधिक समय बिताया। रेकिट बेंकिज़र, नेस्ले इंडिया और मैरी के इंडिया में वरिष्ठ विपणन और सामान्य प्रबंधन पदों पर कार्य किया। 2018 की गर्मियों में डियाजियो में शामिल होकर, उन्होंने डियाजियो का नेतृत्व किया जिसने घाना, कैमरून, इथियोपिया, अंगोला और कई अन्य देशों में संचालन संभाला। वह 2021 में भारत के कारोबार की प्रमुख बनीं।

नहीं, बेहतर पीने' की ओर ले जाना। नागराजन, भारत में सबसे बड़े शराब व्यवसाय की प्रमुख बनने वाली पहली महिला थीं, जिन्होंने 32 ब्रांड बेचे, जो कंपनी की कुल बिक्री का पांचवां हिस्सा था। डियाजियो ने 11 अन्य ब्रांडों के लिए पांच साल की फ्रेंचाइजी व्यवस्था में भी प्रवेश किया।

नतीजा यह है कि प्रीमियम पोर्टफोलियो का अब कंपनी की कुल बिक्री में 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सा है, जो उनके कार्यभार संभालने के समय 72 प्रतिशत से अधिक है। पिछले वित्त वर्ष में शुद्ध लाभ तीन गुना होकर 1,051 करोड़ रुपये हो गया। यह यूनाइटेड स्पिरिट्स लिमिटेड (यूएसएल) इकाई के शेयर मूल्य में भी परिलक्षित होता है, जो 75 प्रतिशत बढ़ गया है। कंपनी पिछले साल कर्ज मुक्त भी हो गई।

भारत में शराब का कारोबार अत्यधिक विनियमित है और सरकारें कई राज्यों में कीमतों के साथ-साथ खुदरा और वितरण को नियंत्रित करती हैं। परिणामस्वरूप, नागराजन के समय का एक महत्वपूर्ण हिस्सा राज्य सरकारों को कराधान कम करने के लिए राजी करना और उच्च राजस्व का वादा करना शामिल है।

उन्होंने कहा, 'मेरे सामने स्पष्ट रूप से भारतीय कारोबार को एक स्थायी दोहरे अंक के विकास पथ पर लाना और विशेष रूप से भारतीय बाजार के प्रीमियम और प्रतिष्ठा क्षेत्रों में राजस्व बढ़ाना था।' 'मुझे अपने व्यवसाय को दैनिक आधार पर चलाने के लिए जटिलता के स्तर और स्वीकृतियों के स्तर की अपेक्षा नहीं थी। हमें अपनी पेशकशों को बनाए रखने के लिए प्रति वर्ष 200,000 से अधिक अनुमोदनों की आवश्यकता होती है। हम यहां के भविष्य को लेकर भी बहुत आशावादी हैं और देश में इस क्षेत्र के लिए एक सामंजस्यपूर्ण कर संरचना की उम्मीद करते हैं।

उनके पूर्ववर्ती, आनंद कृपालु ने पूर्व यूएसएल मालिक विजय माल्या के बाहर निकलने के बाद बड़े पैमाने पर संगठन को साफ कर दिया और संगठनात्मक संस्कृति को प्रमोटर-संचालित से पेशेवर रूप से संचालित इकाई में बदल दिया। लेकिन वित्त वर्ष 2018 से वित्त वर्ष 2020 के दौरान यूनाइटेड स्पिरिट्स की प्रीमियम और उससे ऊपर या पी एंड ए का वॉल्यूम सीएजीआर सिर्फ 3.7 प्रतिशत था, जो बाजार के औसत 8.5 प्रतिशत से कम था। इकोनॉमी सेगमेंट में मार्जिन कम था, जहां डिस्टिलर्स के पास मूल्य निर्धारण की शक्ति और ब्रांडिंग क्षमता बहुत कम थी।

नागराजन के तहत, कंपनी ने सिग्नेचर और रॉयल चैलेंज व्हिस्की ब्रांडों का नवीनीकरण किया। रॉयल चैलेंज अमेरिकन प्राइड व्हिस्की लॉन्च की, गोडावन के साथ भारतीय सिंगल माल्ट में प्रवेश किया और हापुसा और ग्रेटर थान जिन ब्रांडों के निर्माताओं नाओ स्पिरिट्स में निवेश किया। इन पहलों ने यूएसएल की वृद्धि को लगभग 20 प्रतिशत के दोहरे अंक के स्तर तक पहुंचा दिया, जो विकास की ऐतिहासिक दर से तीन गुना अधिक है।

चीन का अपना एक राष्ट्रीय पेय

बाइजियू की खपत से बहुत पीछे है व्हिस्की

बड़ी शराब कंपनियां युवा चीनियों की व्हिस्की और कोन्याक जैसी पश्चिमी शराब के उपभोग बढ़ाने के लिए काफी प्रयास कर रही है। लेकिन चीन का राष्ट्रीय पेय कहे जाने वाली शराब बाइजियू की खपत से काफी पीछे है। डियाजियो और परनोड रिकार्ड जैसी पश्चिमी शराब कंपनियां पहले चीन में धनी ग्राहकों पर ही ध्यान देती थीं। लेकिन हाल के सालों में उनका ध्यान आर्थिक रूप से संपन्न ऐसे युवा ग्राहकों की ओर गया है जो प्रयोग करना चाहते हैं। इस बदलाव की वजह चीन में शराब के चलन में आ रहा बदलाव भी है क्योंकि युवा पश्चिमी शराबों को ज्यादा पसंद कर रहे हैं।

रॉयटर्स की एक रिपार्ट के मुताबिक जॉनी वॉकर व्हिस्की बनाने वाली कंपनी डियाजियो का कहना है कि उसका मकसद धनी ग्राहकों के साथ बढ़ते मध्यम वर्ग और मिलेनियल्स यानी साल 2000 के बाद पैदा हुए युवाओं तक पहुंचना भी है। लेकिन ऐसा करने में कंपनियों के सामने सबसे बड़ी चुनौती है बाइजियू। पानी जैसी दिखने वाली स्पिरिट जिसे चीन की नेशनल ड्रिंक कहते हैं। बाइजियू उत्पादक भी शराब को लेकर देश के बदलते चलन से वाकिफ हैं और वे भी अपने उत्पादों में बदलाव कर रहे हैं ताकि युवाओं को लुभा सकें।

व्हिस्की की मांग बढ़ने का अनुमान

यूरोमॉनिटर का अनुमान है कि आने वाले सालों में व्हिस्की चीन में सबसे तेजी से बढ़ने वाली शराब होगी और 2023 से 2026 के बीच इसकी बिक्री 88 फीसदी तक बढ़ सकती है। लेकिन विश्लेषक कहते हैं कि समस्या यह है कि व्हिस्की अब भी पश्चिमी अंदाज के रेस्तराओं और पांच सितारा होटलों में जाने वाले युवाओं तक ही सीमित है।

परनोड रिकार्ड भी चीन में अपना व्हिस्की और कोन्याक का व्यापार बढ़ाने की कोशिश में है। चीन में कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर जेरोम कोटिन-बिजोन कहते हैं कि अब ज्यादा संख्या में चीनी लोग हमारी शराब का खर्च उठा सकते हैं और युवा ज्यादा विकल्प चाहते हैं। पिछले सितंबर में कंपनी ने चीन में मार्टेल नोबलीज फ्लेम नाम की कोन्याक उतारी थी, जिसका मकसद नाइट क्लब और म्यूजिक फेस्टिवल में जाने वाले युवाओं को लुभाना था। चीन में पारंपरिक रूप से शराब खाने के साथ या किसी खुशी के मौके पर पी जाती है। इस तरह के हर कार्यक्रम में बाइजियू की मौजूदगी होती ही है। ब्रैंड के आधार पर इसकी कीमत एक डॉलर यानी करीब सौ रुपये से लेकर सैकड़ों डॉलर तक हो सकती है। लेकिन पश्चिमी कंपनियों से मुकाबला मिलने के कारण बाइजियू भी अपने उत्पादों में बदलाव कर रही है ताकि लोगों को कुछ नया परोसा जा सके।

मोताई दुनिया की सबसे कीमती अल्कोहल ब्रैंड है। उसकी एक बोतल 3,000 युआन यानी लगभग 35,000 रुपये की बिकती है। कंपनी के मालिक क्वेचोऊ मोताई को उम्मीद है कि 2023 वित्त वर्ष में उनका कारोबार 17.2 फीसदी बढ़ेगा। लेकिन उनकी चिंता यह है कि बाइजियू पीने वाले ज्यादातर लोग बड़ी उम्र के हैं और वह युवाओं के बीच पहुंचना चाहते हैं। इसी मकसद से सितंबर में कंपनी ने एक महंगी कॉफी ब्रैंड लकिन कॉफी के साथ मिलकर 'बाइजियू लाटे' नाम की कॉफी बाजार में उतारी थी। कंपनी बाइजियू चॉकलेट और आइसक्रीम जैसे प्रयोग भी कर चुकी है।

बाइजियू लाटे के बाजार में आने की खबर सोशल मीडिया पर वायरल हो गई थी और 38 युआन यानी लगभग 450 रुपये की कॉफी के पहले ही दिन 54 लाख कप बिके थे। जिगू कंसल्टेंसी कंपनी में जनरल मैनेजर काई जुफेई कहते हैं कि चीनी कंपनियां युवाओं की मांग को पूरा करने के लिए अन्य तरह की शराब भी उपलब्ध करवा रही हैं। आयातित शराब की डिस्ट्रीब्यूटर कंपनी गॉथम ईस्ट के सह-संस्थापक डेनियल टेटस्लिन कहते हैं कि बाइजियू के कब्जे ने पश्चिमी कंपनियों के लिए चीनी बाजार में सेंध लगाना बेहद मुश्किल बना रखा है और अभी वे धनी चीनियों के दायरे से बाहर नहीं जा पाई हैं।

नए प्रयोग

डियाजियो ने युवाओं को लुभाने के लिए कई नये प्रयोग किए हैं। जैसे डोयून (टिक टॉक का चीनी रूप) जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उनके स्टोर हैं। दिसंबर में कंपनी ने अपने उत्पादों पर एक घंटे में डिलीवरी जैसी सेवाएं शुरू की हैं। ग्रेटर चीन में कंपनी के मैनेजिंग अतुल छपरवाल बताते हैं कि एक स्थानीय डिलीवरी कंपनी के साथ मिलकर यह सेवा शुरू की गई है। डियाजियो व्हिस्की की चीन में 10 अपनी दुकानें हैं और 41 दुकानों में उसकी व्हिस्की के लिए अलग सेक्शन हैं। कंपनी अन्य शहरों में भी अपनी दुकानें खोलने की योजना पर काम कर रही है।

छपरवाल बताते हैं यहां विस्तार की बहुत गुंजाइश है। चीनी लोग अब घरों में और बार में ज्यादा व्हिसकी पी रहे हैं। बॉस्टन कंसल्टिंग ग्रुप का अनुमान है कि 2022 से 2030 के बीच चीन में मध्य वर्ग और उच्च मध्य वर्ग के आठ करोड़ लोग जुड़ जाएंगे और यह आबादी का 40 फीसदी हिस्सा होगा। इतने बड़े बाजार में पश्चिमी शराब कंपनियों की हिस्सेदारी मात्र 3 फीसदी है। इसके मुकाबले में बाइजियू का बाजार कहीं बड़ा है। यूरोमॉनिटर के मुताबिक 2023 में 167 अरब डॉलर की बाइजियू बिकी थी जबकि व्हिस्की सिर्फ 2.8 अरब डॉलर की बिकी थी। कोन्याक का तो चीन में पुराना इतिहास है। इसके बावजूद उसकी बिक्री मात्र नौ अरब डॉलर की थी।

STEAM FREE MVR BASED DISTILLERY

SED

Sustainable Solutions FOR ETHANOL PRODUCTION

'MVR' based Grain Ethanol Plant at Dalmia Bharat Sugar and Industries Ltd., Unit Jawaharpur (U.P.)

First of its KIND

SMART DISTILLERY

FEATURES OF MVR BASED PLANTS

- Zero Carbon Emission
- No Biomass Burning, No Pollution
- Lower Opex
- Thermal Heat Recycling
- Lower Ground water Extraction Demand

Corporate Office:
C-82, Industrial Area, Phase - 7 (Sector 73), SAS Nagar, Mohali, 160055, Punjab, India

distillery@sprayengineering.com
www.sprayengineering.com

SATYAN

Global expertise in distilleries, starch and industrial evaporators!

Expertise and Service Offerings

- Complete EPCM services for Starch, Ethanol & ENA plants
- Feasibility and Detailed project report preparation
- Detailed design and engineering services
- Technical tendering process for supplier selection
- Engineering design reviews, technical assistance, visual inspection and expediting
- Project planning, monitoring and management, and supplier co-ordination
- Site supervision and construction management
- Process plant simulation
- Modernization, de-bottlenecking, trouble-shooting for existing plants
- Process modelling and configuration of energy efficient systems

60+ distillery projects (ENA/Ethanol/ other grades)

Over 120 customers globally

Consultancy
Process Design
Engineering

15+ starch projects (corn/cassava)

50+ Industrial Evaporators

Corporate office: A-201, Jai Ganesh Vision, Akurdi, Pune 411035 || https://www.distilleryconsultant.com

© 2024 Satyan Consulting Engineers LLP || Email: rahul.joshirao@satyan.in || +91-9730012871

7 हजार ईसा पूर्व से ही, बनाई जा रही है बीयर

यूरोप और एशिया के कुछ देशों में एक सांस्कृतिक धारणा मौजूद है जो बीयर को अन्य मादक पेय पदार्थों से अलग करती है। बीयर का एक लंबा और समृद्ध इतिहास है जो कई सभ्यता से भी पहले का है। पुरातात्विक साक्ष्यों से पता चलता है कि प्राचीन मेसोपोटामिया में 7000 ईसा पूर्व से ही बीयर बनाई जा रही थी। बीयर ने कई समाजों में एक केंद्रीय भूमिका निभाई है, जो पोषण और समाजीकरण दोनों के लिए एक मुख्य पेय के रूप में काम करती है। उदाहरण के लिए, प्राचीन मिस्रवासी बीयर को देवताओं का एक दिव्य उपहार मानते थे और इसे धार्मिक समारोहों और दैनिक जीवन में शामिल करते थे।

अल्कोहल स्तर

बीयर की विशिष्ट विशेषताओं में से एक अन्य मादक पेय पदार्थों की तुलना में इसकी अपेक्षाकृत कम अल्कोहल सामग्री है। जबकि बीयर की मात्रा के अनुसार अल्कोहल (एबीवी) शैली और शराब बनाने की प्रक्रिया के आधार पर भिन्न हो सकता है, यह आमतौर पर वोदका या रम जैसी स्पिरिट की तुलना में कम होता है। यह कम अल्कोहल सामग्री इस धारणा में योगदान कर सकती है कि बीयर कम नशीला है और इसलिए मजबूत अल्कोहल वाले पेय पदार्थों की तुलना में कम हानिकारक है।

बीयर कंपनियां अक्सर ऐसी मार्केटिंग रणनीतियां अपनाती हैं जो बीयर की खपत से जुड़ी सामाजिकता और आनंद पर जोर देती हैं। विज्ञापन अक्सर सौहार्द, विश्राम और उत्सव के दृश्यों को दर्शाते हैं, जो एक व्यापक जनसांख्यिकीय को लक्षित करते हैं जिसमें युवा वयस्क और बीयर उत्साही शामिल होते हैं। यह विपणन दृष्टिकोण शराब के गंभीर या हानिकारक रूप के बजाय बीयर को एक आकस्मिक और हल्के पेय के रूप में मानने को मजबूत कर सकता है। बीयर की खपत से जुड़ी सांस्कृतिक परंपराएं और रीति-रिवाज भी समाज के भीतर इसकी धारणा को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कई देशों में, बीयर राष्ट्रीय पहचान, पाक परंपराओं और सामाजिक रीति-रिवाजों से गहराई से जुड़ी हुई है। उदाहरण के लिए, जर्मनी में ओकट्रैफेस्ट और आयरलैंड में सेंट पैट्रिक दिवस सांस्कृतिक उत्सव हैं जो बीयर पर केंद्रित हैं, जो एक प्रिय और सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण पेय के रूप में इसकी स्थिति को मजबूत करता है।

आर्थिक कारक

बीयर उद्योग कई देशों में काफी आर्थिक प्रभाव डालता है, रोजगार सृजन, कर राजस्व और पर्यटन में योगदान देता है। परिणामस्वरूप, नीति निर्माता और नियामक बीयर उद्योग को समर्थन और बढ़ावा देने के लिए अधिक इच्छुक हो सकते हैं, जो बीयर के प्रति जनता के रवैये और धारणाओं को प्रभावित कर सकता है। इसके अतिरिक्त, बीयर उत्पादन और खपत का आर्थिक महत्व ऐसी नीतियों और विनियमों को जन्म दे सकता है जो बीयर को शराब के अन्य रूपों से अलग करते हैं।

जनता को जिम्मेदार शराब पीने की आदतों और शराब के सेवन के खतरों के बारे में शिक्षित करने के प्रयास अक्सर बीयर के बजाय स्प्रिट और हार्ड शराब पर ध्यान केंद्रित करते हैं। बीयर मजबूत पेय पदार्थों की तुलना में शराब का अपेक्षाकृत सौम्य रूप है। हालाँकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि अत्यधिक बीयर के सेवन के अभी भी नकारात्मक स्वास्थ्य और सामाजिक परिणाम हो सकते हैं, और शराब के सेवन के प्रकार की परवाह किए बिना जिम्मेदार पीने की प्रथाओं को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। (न्यूज ट्रैक)

सामाजिक स्वीकृति

कुछ देशों में बीयर को हमेशा शराब के रूप में नहीं देखे जाने का एक प्रमुख कारण इसकी व्यापक सामाजिक स्वीकृति है। वोदका या व्हिस्की जैसी मजबूत स्प्रिट के विपरीत, बीयर को अक्सर एक अधिक आरामदायक और सुलभ पेय के रूप में देखा जाता है जिसका आनंद विभिन्न सामाजिक सेटिंग्स में लिया जा सकता है। कई संस्कृतियों में, बीयर सामाजिक मानदंडों और रीति-रिवाजों में गहराई से शामिल है, स्थानीय पब में दोस्तों के साथ एक पेय साझा करने से लेकर बीयर के दौर के साथ त्योहारों और छुट्टियों को मनाने तक।

कानूनी वर्गीकरण

एक अन्य कारक जो बीयर की धारणा को प्रभावित करता है वह है कुछ देशों में इसका कानूनी वर्गीकरण। कुछ क्षेत्रों में, अल्कोहल युक्त पेय पदार्थों को उनके अल्कोहल की मात्रा (एबीवी) के आधार पर वर्गीकृत किया जाता है, जिसमें बीयर आमतौर पर स्पिरिट और फोर्टिफाइड वाइन की तुलना में निचले स्तर पर आती है। यह कानूनी अंतर बीयर के बारे में सार्वजनिक धारणा को शराब के कम शक्तिशाली या हानिकारक रूप के रूप में आकार दे सकता है।

सामुदायिक सभाएँ

बीयर में लोगों को एक साथ लाने और समुदाय की भावना को बढ़ावा देने की अद्वितीय क्षमता है। कई देशों में, पब एक सामुदायिक स्थान के रूप में कार्य करता है जहां दोस्त और पड़ोसी कुछ पेय के लिए आराम करने, मेलजोल बढ़ाने और बंधन में बंधने के लिए इकट्ठा होते हैं। पब का सौहार्दपूर्ण वातावरण, बीयर में मध्यम अल्कोहल सामग्री के साथ मिलकर, इसे एक हानिरहित और आनंददायक पेय के रूप में समझने में योगदान देता है।

गोडावण पक्षी के संरक्षण में मदद के लिए बनाई गई व्हिस्की

गोडावण सिंगल माल्ट व्हिस्की का स्वाद बेहतरीन है। इसका नाम राजस्थान के एक दुर्लभ या विलुप्त हो रहे पक्षी द ग्रेट इंडियन बस्टर्ड के नाम पर रखा गया है। स्थानीय भाषा में पक्षी का नाम गोडावण है और इस ब्राण्ड का नाम इसी के नाम पर रखा गया है। इसे राजस्थान में ही बनाया जाता है।

बीबीसी डॉटकॉम के अनुसार ग्रेट इंडियन बस्टर्ड को आईयूसीएन की लाल सूची में गंभीर रूप से लुप्तप्राय के रूप में चिह्नित किया गया है। एक समय आमतौर पर पश्चिमी भारत के शुष्क रेगिस्तानी राज्य राजस्थान की झाड़ियों में पाए जाने वाले इस पक्षी का भोजन और खेल के लिए विलुप्त होने के स्तर तक शिकार किया गया है।

दुनिया में सबसे भारी उड़ने वाले पक्षियों में से एक गोडावण की लंबाई 1.2 मीटर तक हो सकती है और इसका वजन 15 किलोग्राम तक हो सकता है। अपनी लंबी टांगों और भूरे शरीर से फैली लंबी गर्दन के लिए जाना जाने वाला यह पक्षी कोई सौंदर्य प्रतियोगिता नहीं जीत पाएगा, लेकिन एक समय यह भारत का राष्ट्रीय पक्षी घोषित होने की दौड़ में शामिल था।

एक अनुमान के मुताबिक भारत में बमुश्किल 100 के करीब गोडावण बचे हैं। गोडावन व्हिस्की, ग्रेट इंडियन बस्टर्ड के लिए कॉर्पोरेट संरक्षण प्रयासों के हिस्से के रूप में 2023 की शुरुआत में बनाई गई थी। यह राजस्थान के अलवर शहर में स्थानीय रूप से उगाई जाने वाली जौ और न्यूनतम पानी की आवश्यकता वाली विधियों का उपयोग करके डिस्टिल्ड किया जाने वाला एक सिंगल माल्ट है। इसमें भारतीय वनस्पतियों का एक जिन-जैसा अर्क भी होता है, जिसके बारे में कहा जाता है कि इसमें किशमिश, अंजीर, खुबानी और कैरेमल का स्वाद मिला होता है।

जैसलमेर शाही परिवार के वंशज (44वें राजा) और सामाजिक उद्यमी चैतन्य राज सिंह ग्रेट इंडियन बस्टर्ड को बचाने के लिए प्रयासरत हैं। चैतन्य राज सिंह संरक्षण प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए गोडावण व्हिस्की बनाने वाली कंपनी, डियाजियो के साथ काम करते हैं। उनका कहना है कि कंपनी ग्रेट इंडियन बस्टर्ड के पसंदीदा निवास स्थान घास के मैदानों को सुरक्षित रखने के लिए भारतीय पर्यावरण और वन्यजीव मंत्रालय के साथ समन्वय कर रही है ताकि पक्षियों को प्रजनन के लिए अधिक जगह मिल सके और उम्मीद है कि वे फल-फूल सकें।

पक्षी को बचाने में होंगे कामयाब

चैतन्य राज सिंह ने रॉयल बंगाल टाइगर का जिक्र करते हुए कहा, 'यह संरक्षण पहल सही दिशा में एक कदम है। हमें उम्मीद है कि हम पक्षी को बचाने में सक्षम होंगे। जिस तरह बाघ के लिए हुआ था जब वे भारत में विलुप्ति की कगार पर थे। डियाजियो का कहना है कि हम जो भी बोतल बनाते हैं वह इस पक्षी के संरक्षण में योगदान देती है।

चैतन्य राज सिंह कहते हैं कि यह व्हिस्की अपनी स्मूथनेस के साथ, रेड वाइन की तरह रेड मीट के साथ आनंद लेने के लिए उपयुक्त है। चैतन्य राज सिंह इसे अपने विशिष्ट लाल मास (लाल मांस) कैनेप्स के साथ पसंद करते हैं, जो पूरे राजस्थान में पाए जाने वाले क्लासिक मटन करी का आधुनिक रूप है। ऐसा कहा जाता है कि इस व्यंजन की उत्पत्ति शाही रसोई में हुई थी।

कितनी है कीमत

गोडावण सिंगल माल्ट व्हिस्की भारतीय शौकीनों के लिए थोड़ी महंगी जरूर है। मुंबई में इसकी 750 एमएल की बोतल 5400 रुपये में मिलती है। दिल्ली में गोडावण की कीमत 4900 रुपये है। डियाजियो इसे गर्व से 'रेगिस्तान की स्पिरिट' कहता है। अपनी संस्कृति, लोगों और पारिस्थितिकी के साथ राजस्थान की भावना जो इसके तरल पदार्थ के चरित्र और स्वाद में व्याप्त है।

बीरा 91 ने विस्तार के लिए जुटाए 25 मिलियन डॉलर

बीरा 91 की मूल कंपनी बी9 बेवरेजेज लिमिटेड ने 6 मार्च को कहा कि वह टाइगर पैसिफिक कैपिटल से 25 मिलियन डॉलर की नई फंडिंग जुटा रही है। टाइगर पैसिफिक कैपिटल का मुख्यालय न्यूयॉर्क और हांगकांग में है। एक बयान में कहा गया है कि नया निवेश कंपनी द्वारा जुटाए गए 50 मिलियन डॉलर का हिस्सा है, जिसमें उसके मौजूदा निवेशक, जापान की किरिन होल्डिंग्स और न्यूयॉर्क की टाइगर पैसिफिक कैपिटल की भागीदारी है।

बीरा 91 के संस्थापक और सीईओ अंकुर जैन ने कहा, 'बीरा 91 सभी बाजारों में विकास को बढ़ावा देने और अपनी आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने के लिए अगला कदम उठा रहा है। यह नई साझेदारी कंपनी की बैलेंस शीट को काफी मजबूत करेगी।' उन्होंने कहा, 'इस पूंजी के साथ हम उत्तर प्रदेश सहित नए क्षेत्रों में अपने विनिर्माण पदचिह्न का विस्तार करेंगे।'

कंपनी के देश में छह बड़े विनिर्माण संयंत्र हैं। बीरा 91 अब हेनेकेन एबी-इनबेव और कार्ल्सबर्ग जैसी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के बाद भारत की चौथी सबसे बड़ी बीयर कंपनी है और 9 साल पहले अपनी स्थापना के बाद से इसने मजबूत दोहरे अंकों की वृद्धि का अनुभव किया है। कंपनी देश की सबसे बड़ी बीयर-केंद्रित पब चेन, द बीयर कैफे की भी मालिक है। टाइगर पैसिफिक कैपिटल के संस्थापक रन ये ने कहा, 'हम भारत में उभरती कंपनियों, विशेष रूप से नए भारतीय उपभोक्ताओं की अनूठी समझ और एक मजबूत स्थानीय विनिर्माण पदचिह्न के साथ बीरा 91 जैसे ब्रांडों के साथ साझेदारी करने के लिए उत्साहित हैं।'

भारत की पहली लक्जरी रम है कैमिकारा

सिद्धार्थ शर्मा

भारत में सबसे ज्यादा मशहूर रम है ओल्ड मॉन्क। यह इंडियन ब्रांड है। काफी लोगों को ओल्ड मॉन्क बेहद पंसद है। अब ओल्ड मॉन्क के साथ कैमिकारा को भी उपभोक्ताओं का बहुत प्यार मिल रहा है जो कि भारतीय ब्रांड है। जिसे पिकाडिली डिस्टिलरीज द्वारा बनाया जाता है। पिकाडिली डिस्टिलरीज द्वारा बनाई जा रही कैमिकारा रम ने हाल ही में आयोजित हुई रम एंड कैचाका मास्टर्स 2024 कंपटीशन में दो गोल्ड और एक सिल्वर मेडल अपने नाम किया। इसके साथ एग्रीकोल ओल्ड रम श्रेणी में इस रम को फर्स्ट स्थान मिला।

कैमिकारा दुनिया भर में बेहतरीन रम मानी जाती है। यह गन्ने के रस से बनाई जाती है। पंजाब में शराब बनाने के लिए पहले गन्ने का इस्तेमाल किया जाता था। उसी शैली के आधार पर कैमिकारा रम बनाई जा रही है। इसमें किसी भी तरह का शुगर इस्तेमाल नहीं होता है। यह बिल्कुल प्राकृतिक तरीके से बनाई जाती है। इसे भारत की पहली लग्जरी रम भी कहा जाता है।

देश की मिट्टी की दिलाएगी याद

पिकाडिली डिस्टिलरीज के संस्थापक सिद्धार्थ शर्मा ने एएनआई से बात करते हुए कि हम देश में लोगों की सोच को बदलना चाहते हैं कि रम एक सस्ती शराब होती है। इसलिए हमने भारत में शुद्ध गन्ने से बनने वाली राम बनाई है। जिसमें आपको भारत की मिट्टी की खुशबू आएगी। क्वालिटी के मामले में यह रम दुनिया की सभी तगड़ी रमों को तागड़ी टक्कर दे रही है। कैमिकारा रम की कीमत की बात की जाए तो 750 एमएल की 12 साल पुरानी केमिकल आराम 6200 रुपये की आती है। तो वहीं हरियाणा में यह सस्ती है।

टीना ट्रेड ने फ्रटेली वाइन में हासिल की 100 फीसदी हिस्सेदारी

एग्रीकल्चर ट्रेडिंग कंपनी टीना ट्रेड ने शेयर स्वैप डील के तहत फ्रटेली वाइन प्रा. लि. में 100 फीसदी हिस्सेदारी हासिल कर ली है। इस डील के बाद टीना ट्रेड भारत की दूसरी सबसे बड़ी वाइन मैन्युफैक्चिंग कंपनी बन गई है। यह वाइन और बेवरेज इंडस्ट्री में दिलचस्पी बढ़ाने का काम करेगा।

इस डील में फ्रटेली वाइन के प्रमोटर्स के साथ टीना ट्रेड के शेयर्स की अदला-बदली शामिल है। इससे टीना ट्रेड की वाइन कंपनी में हिस्सेदारी केवल 3 फीसदी से बढ़कर लगभग 97 फीसदी हो जाएगी। मार्केट प्राइस पर 9 फीसदी के डिस्काउंट के बाद टीना ट्रेड के प्रति शेयर की कीमत 72 रुपए है। इससे कंपनी का वैल्यूएशन 227 करोड़ रुपए से ज्यादा हो जाता है। यह डील टीना ट्रेड को ना सिर्फ वाइन बनाने के सेक्टर में एंट्री कराएगी बल्कि कंपनी को इस मार्केट में मजबूत कंटेंडर भी बनाएगी।

रिपोर्ट के मुताबिक एग्रीकल्चर ट्रेडिंग से वाइन प्रोडक्शन मार्केट में एंट्री करना टीना ट्रेड के एम्बिशन को दिखाता है। कंपनी फ्रटेली वाइन के ब्रांड और डिस्ट्रिब्यूशन नेटवर्क का फायदा उठाकर वाइन मार्केट में नई ऊंचाईयां तक पहुंचना चाहती है।

जापान में बना वाइन पार्क, यहां विजिटर्स लगाते हैं डुबकी

प्राचीन परंपराओं के साथ-साथ आधुनिक टेक्नोलॉजी और अनोखे प्रोडक्ट्स, जापान की खासियत हैं। अगर आप वहां जा रहे हैं और किसी मजेदार गरम पानी के चश्मे (हॉट स्प्रिंग) का मज़ा लेना चाहते हैं, तो हाकोने कोवाकीन युनेससुन जरूर जाएं। ये जगह उन शराब प्रेमियों के लिए भी खास है जो शराब से भरे पूल में डुबकी लगाने का सपना देखते हैं। हाकोने कोवाकीन युनेससुन में आप हाकोने स्थित एक शानदार रेड वाइन

बाथ में आराम से नहा सकते हैं। ये भले ही पीने लायक शराब का पूल न हो, पर यहां आने वाले मेहमान रेड वाइन के गरम पानी के चश्मे में स्नान कर सकते हैं। जापान राष्ट्रीय पर्यटन संगठन के मुताबिक, 'इस रेड वाइन बाथ में 3.6 मीटर ऊंची एक बड़ी सी बोतल लगी हुई है। यहां आने वाले लोगों को खास वाइन शो का भी मजा मिल सकता है, जिसमें स्टाफ के लोग नहाने वालों पर युनेससुन वाइन की बोतल से हल्का सा छिड़काव करते हैं। टूरिस्ट यहां कॉफी, जापानी शराब साके और ग्रीन टी जैसे अलग-अलग थीम वाले बाथ का भी मजा ले सकते हैं। जापान राष्ट्रीय पर्यटन संगठन का दावा है कि इस अनुभव से आपकी त्वचा 'मुलायम' और 'खूबसूरत' हो सकती है।

TAYALTECH
CONSULTANTS
I.M.F.L. DISTILLERIES & BREWERIES

ISO 9001:2000
Reg No. : 1820

TAYALTECH CONSULTANTS is a professionally managed group engaged in the consultancy business for setting up I.M.F.L. Distilleries & Breweries Plants at NATIONAL & INTERNATIONAL LEVLE. Promoted by eminent consultant **Mr. R.C.Tayal** from INDIA.Whos has got over 30 years of rich experience in Technology Transfer Successfully at National and Global level with respect of Marketing. Blending, Alcohol Technology and fermentation.

Specialization

- **Blending of I.M.F.L. Products.**
- **Development / Concept / Designing of new products.**
- **Erection & Commissioning of RS, ENA, GRAIN SPIRIT & BREWERY PLANT.**
- **Designing Erection + Commission of Effluent Treatment Plant.**
- **Improvement in Efficiency of RS , ENA, GRAIN, MALT SPIRIT & BREWERTY PLANT**
- **Cost Control / Productivity improvements in Plant Operation Packaging.**
- **Fuel Ethanol Plant.**
- **RTD Alcoholic Beverages.**

Overseas Project Handling at Kenya,Nigeria, Angola, Congo Sudan, Malaysia Ghana etc.

IMPORTER & EXPORTER OF PACKING MATERIALS, PLANT & MACHINERIES

TTC House

IMPORT EXPORT
CODE NO. - 0507002539

A-5/B 141, PASCHIM VIHAR, NEW DELHI - 110063 INDIA • TEL : +91-11-25253835
MOBILE : 9654293454, 9810208820 • E-Mail : rctayal2004@yahoo.co.in, blendwellsco@gmail.com

शराबियों के लिए एंटी हैंगओवर टेबलेट

ब्रिटेन में आजकल एक ऐसी गोली सामने आ रही है जो शराब को लीवर तक पहुंचने ही नहीं देती है। कहा जा रहा है कि मायर्कल नाम की गोली शराब को लिवर में जाने से रोक देती है। इस गोली को शराब पीने से पहले लेने की सलाह दी जा रही है। इस गोली को ब्रिटेन में आधिकारिक तौर पर बेचा भी जा रहा है लेकिन यह पूरी तरह से सही नहीं है। इस गोली का एक स्वतंत्र रूप से परीक्षण किया जा रहा है और कहा जा रहा है कि इतिहास की यह पहली ऐसी गोली है जो शराब से लीवर को खराब होने से बचा सकती है।

कहा जा रहा है कि अगर इस गोली को शराब पीने के पहले ले ली जाए तो यह 60 मिनट के भीतर पी गई 70 प्रतिशत शराब को लिवर तक नहीं पहुंचने देती है और उसे शरीर में ही नष्ट कर देती है। इसमें बैसिलस कोगुलांस और बैसिलस सबटिलिस शामिल हैं जो एल-सिस्टीन और विटामिन बी 12 से भरपूर हैं, जो लिवर तक पहुंचने से पहले आंत में अल्कोहल को तोड़ देते हैं। यह एनर्जी और इम्यूनिटी को भी बढ़ाता है।

रिपोर्ट के मुताबिक सभी सामग्रियों को यूरोपीय फूड एजेंसी और अमेरिकी फूड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन द्वारा ऑथराइज्ड और सुरक्षित माना जा रहा है। एक स्वतंत्र क्लिनिकल ट्रायल में पार्टिसिपेंट्स ने दो ग्लास वाइन पी और पीने से पहले यह सप्लीमेंट गोली ली। उनके खून में 30 मिनट बाद औसतन 50 प्रतिशत कम अल्कोहल था और 60 मिनट के बाद 70 प्रतिशत कम था, जिससे शरीर पर अल्कोहल का प्रभाव काफी कम हो गया।

मायर्कल की दो गोलियां पीने से कम से कम एक घंटे पहले लेनी होती हैं। यह गोलियां शरीर में 12 घंटे तक प्रभावित रहती है। हालांकि जितनी इनकी तारीफ की जा रही है कुछ लोगों के लिए यह उतनी ही घातक भी साबित हो रही है। यह अब पहली बार मायर्कल के माध्यम से £30 यानि 31,51,803 (30 कैप्सूल, 15 सर्विंग्स) में खरीदने के लिए उपलब्ध है। यह यूके,आयरलैंड, फ्रांस, जर्मनी, स्विट्जरलैंड, ऑस्ट्रिया, इटली और सभी नॉर्डिक्स देशों सहित ज्यादातर यूरोपीय बाजारों में उपलब्ध है।

आबकारी की सेवाएं आयेंगी लोकसेवा गारंटी में

लोकसेवा प्रबंधन विभाग ने आबकारी विभाग और खाद्य विभाग की गई सेवाओं को लोकसेवा गारंटी के दायरे में शामिल करते हुए उनके लिए समयसीमा तय कर दी है। बोतलबंद देशी, विदेशी मदिरा स्प्रिट, बीयर और ईएनए, रेक्टीफाईड स्प्रिट का आयात एवं परिवहन के बाद उसकी सत्यापन रिपोर्ट अब पंद्रह दिन में तैयार कर ली जाएगी। वाणिज्य कर विभाग के अंतर्गत आबकारी विभाग की देशी, विदेशी मदिरा, स्प्रिट, बीयर और ईएनए, रेक्टीफाईड स्प्रिट के आयात और परिवहन के बाद सत्यापन रिपोर्ट जरूरी होती है, तभी उसका उपयोग करने के लिए उसे दुकानों पर भेजा जा सकता है। अभी यह रिपोर्ट तैयार करने में काफी समय लग जाता था। अब लोक सेवा प्रबंधन विभाग ने इसके लिए पंद्रह दिन का समय तय किया है। गंतव्य इकाई, भांडागार का भारसाधक अधिकारी, संबंधित सामग्री प्राप्त होने पर संपूर्ण पूर्ति के उपरांत पंद्रह दिन में उसका निराकरण करेगा। समय पर सत्यापन नहीं होंने पर उपायुक्त आबकारी संभागीय उड़नदस्ता और आबकारी आयुक्त को अपील की जा सकेगी।

खाद्य नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता संरक्षण विभाग के अंतर्गत नियंत्रक नापतौल की कुछ सेवाएं भी लोकसेवा गारंटी के दायरे में ली गई है। इसमें निर्माता लाइसेंस में संशोधन नियंत्रक नापतौल द्वारा अधिकृत अधिकारी संयुक्त नियंत्रक या दाशमिक अधिकारी दस दिन में करेगा। वर्ना नियंत्रक नापतौल को अपील की जा सकेगी। इसके बाद तीस दिन में भी काम पूरा नहीं होंने पर प्रमुख सचिव को अपील की जा सकेगी। विक्रेता लाइसेंस, सुधारक लाइसेंस में संशोधन की कार्यवाही भी नियंत्रक नापतौल द्वारा अधिकृत अधिकारी दस दिन में करेगा वर्ना नियंत्रक नापतौल और प्रमुख सचिव खाद्य के पास अपील की जा सकेगी। जिन्हें निर्धारित समयसीमा में अधिकारी पूरा कराएंगे। पैकबंद वस्तुओं के निर्माता, पैककर्ता और आयातकर्ता के पंजीयन में किसी प्रकार का संशोधन करना हो तो वह नियंत्रक नापतौल द्वारा अधिकृत अधिकारी सात दिन में पूरा करेगा। इसके बाद नियंत्रक नापतौल को अपील की जाएगी वह तीस दिन में यह कार्यवाही पूरी करेंगे। इसके बाद काम न होंने पर प्रमुख सचिव खाद्य के पास अपील की जा सकेगी।

UPCOMING EVENTS TIMELINE

Date	Name	Location
1 April 2024	Apex wine Club Wine & Cheese	Kokina Gurugram, Haryana
5,6,7 June 2024	Biofuel Expo 2024	India Expo Center Greater Noida
July 2024	UPDA International Summit	
4-6 Sept 2024	Brew & Sprits Expo	KTPO Conventional Centre Bengaluru

Brewery Canning Equipment Supplier
kindly reach out at
brewindo@gmail.com
Only manufacturers with previous experience in supplying equipment in commercial breweries
feel free to contact us

URGENTLY REQUIRED

Exciting Career Opportunity:
Liaison Officer for Renowned Wine Organisation
Reputed wine organisation seeks experienced Liaison Officer with alcohol industry background for PR coordination in Lucknow.
Position: Liaison Officer **Location:** Lucknow, India
Type: Full-Time

Share resume on
jobs@aabkaritimes.com
or call *+ 91 94529 35729* **(Pranav).**

REQUIREMENT

Dear Sir
Our company with cleaning sorting facility is at Kota Rajasthan, we procure barley at farm level, get it cleaned & packed for supply as raw barley, we are looking for bulk buyers for barley.

Please feel free to contact
Major Ketan Mehta - *9426133755.*
If the call is not answered please whatsapp with detail.

START LIQUOR BUSINESS IN DELHI

I Need to Business Partner / Investor our Alcoholic Liquor Project Like (Whiskey, Beer, Rum, Vodka, Scotch) in Delhi Minium Investment 2Cr If you are interested.

Pleaes Contact me we are provide
assured good Return on your investment
WSB BREW LTD
mayankgupta@wsbbrew.com **+91-9810135322**

REQUIREMENT

Hi All,
We are planning to promote the India made Wines and Spirits from our Website and Events happening all across the country.
Interested Brands can share their interest on
mayank@wineandcheeseaffaire.com.
Our team would love to interact with you to know more about your brand and how we can promote it well. We are launching this initiative under PROMOTING RESPONSIBLE DRINKING Campaign.
www.wineandcheeseaffaire.com

आबकारी, अल्कोहल एवं मद्यनिषेध पर प्रथम हिन्दी मासिक पत्रिका

आबकारी टाइम्स

R.N.I. - UPHIN/2010/36360, MSME No. UP-03-0008022

कार्यालय

485, ममफोर्डगंज, प्रयागराज-211002 (उ.प्र.)
फोन/फैक्स : 0532-2440267 मो. : 7379700003
www.aabkaritimes.com, Email-aabkaritimes@gmail.com

सदस्यता शुल्क

निशान लगायें	अवधि	कूरियर/रजि.डाक	ई- मैगजीन
❑	1 वर्ष	2000/-	1000/-
❑	2 वर्ष	3600/-	1600/-
❑	3 वर्ष	5000/-	2000/-
❑	आजीवन	15,000/-	8,000/-

Our Banker Name
Bank of Baroda, Branch-Beli Road, Allahabad.
Current A/C No. - 70020200000558
IFSC Code - BARB0VJBELI

☛ आबकारी टाइम्स पत्रिका की सदस्यता तथा इसमें विज्ञापन हेतु किसी भी प्रकार का भुगतान कृपया नगद न करके चेक अथवा ड्राफ्ट के रूप में ही करें। अपरिहार्य कारणों में नगद भुगतान के समय पत्रिका में दिये गये मोबाईल नम्बरों पर सम्पर्क करके ही नगद भुगतान करें। अन्यथा आपकी सदस्यता शुल्क या अन्य प्रकार के भुगतान हेतु आबकारी टाइम्स की जिम्मेदारी नहीं होगी-सम्पादक

नाम- जन्मतिथि-
पद- कम्पनी-
पता- पिन-
ई मेल- फोन-
चैक/डीडी/मनीट्रांसफर संख्या-
उपलब्ध कोरियर सेवा का नाम-
दिनांक-
हस्ताक्षर-

Alfa Laval Offers Turnkey Brewery Projects

Whatever you want to brew, our proven brewing solutions for commercial as well as craft brewers, along with our brewery expertise and knowhow, will help you to adapt and grow with your brewery.

Aldox
Deaerated water Production

Brew Centrifuge
Beer Clarification System

DeAlc
Non Alcoholic Beer (O.O) Production

Carboblend
High Gravity Beer Blending and Carbonation

Flexitherm
Beer Pasteurization

Alfa Laval Turnkey Brewery Solutions

- Brewhouse/Hot Block
- Yeast Propagation and Storage
- Unitank Fermentation
- Dynamic Fermentation
- Filteration Section
- Bright Beer Cellaring Section

Contact: +91 20 66119100 | Email: india.info@alfalaval.com
Alfa Laval India Private Limited, Mumbai-Pune Road, Dapodi - 411 012. Pune

Scan the QR code

Rapid BevTech

solutions for filling & packaging

Turnkey solutions for

Filling & Packaging

Glass Bottles Filling & Packaging

(3,000-36,000 BPH)

Can Filling & Packaging

(1,000-50,000 CPH)

Pet Filling & Packaging

(6,000-30,000 BPH)

Contact Us

marketing@rapidbevtech.com

admin@rapidbevtech.com

+91 75672 17398

www.rapidbevtech.com

MAKE IN INDIA